श्री विट्ठल

नामदेव पत्रिका

त्रैमासिक

जुलाई 23-मार्च 2024

संयुक्तांक

संत बाल नामदेव

बाबा नामदेव महाराज

प्रकाशक : अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति

सेवानिवृत्ति पर हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

श्री हेमन्त कुमार नामदेव

(कोटा) को राजस्थान आवासन मण्डल से 36 वर्ष की सेवाएं सफलतापूर्वक पूर्ण कर आवासीय अभियन्ता (अधिशाषी अभियन्ता) पद से उप-आवासन आयुक्त कार्यालय कोटा से दिनांक 31 जुलाई 2023 को सेवानिवृत्त होने पर

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

इंजी. गर्वित नामदेव

को IRM Energy Ltd. में
असिस्टेंट मैनेजर के पद पर सेवारत रहने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

इंजी. गर्वित नामदेव
DOB : 21/05/1995
B.Tech. (EEE)

शुभेच्छु:

श्रीमती रूकबरी देवी (चाची), श्रीमती आशा नामदेव (धर्मपत्नी), श्रीमती रूपल-अमितेष (पुत्री दामाद), आरूष (तोषू)(दोहिता), श्री हनुमान प्रसाद वर्मा-स्व.श्रीमती विद्यावती (ससुर-सास), श्री अरविन्द वर्मा-श्रीमती शोभना एवं श्री निर्मल वर्मा-श्रीमती सीमा (साला-सालाइन) एवं समस्त मित्रगण।

निवास : 4-A-5, रंगबाड़ी योजना, कोटा (राज.)
मो.: 9983321103, 8955423989

पंजीयन संख्या 38303/83
वर्ष-अंक : 43/4, 44/1-2
जुलाई 23 से मार्च 2024

प्रधान संपादक
घनश्याम वर्मा (मेड़तवाल)
KR-77, सिविल लाइंस, कोटा
Mob. 94133-64741 W.A.

कार्यवाहक प्रबंध संपादक
श्रीमती शांति पाटौदी

कार्यवाहक सह प्रबंध संपादक
जगदीश श्रेष्ठी
M. 9829036524

कोषाध्यक्ष
रामचरण आमेरिया
M. 8875275437

❖ विज्ञापन दर ❖

अन्तिम कवर (बाहर-बहुरंगी)	5000/-
अन्तिम कवर (अन्दर-बहुरंगी)	4000/-
प्रथम कवर (अन्दर-बहुरंगी)	4000/-
वैवाहिकी पूरा पृष्ठ (बहुरंगी)	3000/-
सामान्य पूरा पृष्ठ (बहुरंगी)	2500/-
सामान्य आधा पृष्ठ (बहुरंगी)	1500/-
सामान्य पूरा पृष्ठ B/W	1000/-

दिनांक : अप्रैल 2012 से प्रभावी

❖ सदस्यता शुल्क ❖
● आजीवन सदस्यता 1500/-
(नई दर अप्रैल 2022 से लागू)

पत्राचार का पता
एवं प्रकाशन कार्यालय
संत नामदेव आई.टी.आई.
प्लाट नं. 1, सेक्टर-1, महावीर नगर
विस्तार योजना, कोटा-9 (राज.)

❖ मुद्रक ❖
प्रिन्ट शॉप
रामपुरा, कोटा ☎ 2380156

श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका

(अ. भा. श्री नामदेव छीपा महासभा समिति का त्रैमासिक प्रकाशन)
Website : www.santnamdevchhipasamaj.com
E-mail : v.namdevpatrika@gmail.com

संयुक्तांक

विषयानुक्रमणिका

1.	संपादकीय	– घनश्याम वर्मा	2
2.	आदि पंच प्यारे – भाई मोहकिम सिंह छीपा	– डॉ. सतीश चन्द्र व्यास	3–4
3.	संत नामदेव और 13–14 वीं शताब्दी के	– डॉ. रंजू बाला	5–9
4.	हमारे स्वतंत्रता सेनानी – श्री माधव लाल बलरिया– घनश्याम बलरिया		10
5.	गागरोन दुर्ग एवं छीपा समाज का देवालय	– राधा बल्लभ पटवा	11–12
6.	वैवाहिकी : सम्बन्ध योग्य युवक-युवती	– संकलन	13–17
7.	कविता – आगे कदम बढ़ाना है	– मेजर जे.पी. वर्मा	15
8.	राट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न	– हनुमान सहाय जागपुरा	18–21
9.	संस्था समाचार विभिन्न स्थानों से.....	– संकलन	21–40

आवश्यक सूचना

● श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका, कोटा ● खाता संख्या 08370100003069
● बैंक का IFSC CODE- BARB0KOTRAJ है।
● बैंक शाखा – बैंक ऑफ बड़ौदा, झालावाड़ रोड़ शाखा, कोटा (राज.)
● पत्रिका सदस्यता शुल्क, विज्ञापन शुल्क एवं किसी भी प्रकार की अनुदान राशि इस खाते में किसी भी मोड से ऑनलाईन / ऑफ लाईन जमा करवाई जा सकती है।
● राशि जमा की बैंक स्लिप या रेफरेन्स वाट्सअप किया जाना जरूरी है।
● राशि ड्राफ्ट या चैक से भी सीधे बैंक खाते में जमा की जा सकती है,।

– प्रधान सम्पादक, वाट्सअप नं. 9413364741

सम्पादकीय

'समाज में सोशल मीडिया की लक्ष्मण रेखा जरूरी'

वैसे हर बात की अति बहुत बुरी होती है, लेकिन ज्ञान, अज्ञान और गलत ज्ञान इन तीन बातों की अति इंसान को लगभग विक्षिप्त सा बना देती है। यदि आपके पास ज्ञान ठीक हो तो दुर्गुण जीवन में प्रवेश नहीं कर पायेंगे। अज्ञान की स्थिति में दुर्गुण निकट आ जाते हैं, पर गलत ज्ञान हो तब तो दुर्गुण पक्का प्रवेश कर ही लेंगे। सामान्य रूप से काम, क्रोध, लोभ और मद ये चार दुर्गुण मनुष्य को बहुत सताते हैं। अब इन चारों का नया रूप देखिए, जिसमें इंसान बावला हो गया है। इन दिनों मनोविज्ञान की दुनिया में सोशल मीडिया को लेकर चिंता जताई जा रही है, जो गलत भी नहीं है। फिक्र इसलिए है कि जिस सोशल मीडिया का उपयोग संचार के त्वरित माध्यम के रूप में आरंभ हुआ था, उसका अब जबर्दस्त दुरूपयोग होने लग गया है। लोग बिना सोचे समझे आदर्श वाक्य बांट रहे हैं। बहुत छोटी-छोटी बातों तथा व्यक्तिगत संदेशों को वाट्सअप समूहों के माध्यम से प्रसारित कर दूसरों का भी कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं।

देश के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. प्रणव मुखर्जी ने 25 अगस्त 2019 को कलकत्ता में आयोजित एक मीडिया पुरस्कार समारोह में सोशल मीडिया के दुष्परिणामों पर चिन्ता व्यक्त करते हुए इसके इस्तेमाल के प्रति सचेत रहने की आवश्यता बताई थी। साथ ही उन्होंने प्रिन्ट मीडिया को अधिक विश्वसनीय संचार माध्यम भी बताया था।

सोशल मीडिया के दुष्परिणामों पर देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी चिन्ता व्यक्त की है। माननीय दो न्यायाधीशों की पीठ ने सितम्बर 2019 में एक मुकदमें की सुनवाई के दौरान सोशल मीडिया को **एके-47** जैसा खतरनाक बताते हुए इस संचार तकनीक के भयानक रूप लेने पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने केन्द्र को यह निर्देश दिया था कि वह ऑनलाईन निजता और राज्य की संप्रभुता के हितों को संतुलित करके सोशल मीडिया के दुरूपयोग को रोकने के लिए दिशा निर्देश तैयार करे। जस्टिस दीपक गुप्ता ने तो यहां तक कह दिया था कि-वह अपना स्मार्ट फोन बन्द करके साधारण फोन लेने की सोच रहे हैं।

सोशल मीडिया का ज्यादा उपयोग किशोरों को बीमार बना रहा है। युवाओं में सोशल मीडिया प्लेट फार्म जैसे यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर पर लगातार एक्टिव रहना उनका रूटीन बन गया है। इससे उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। अमेरिका के एक विश्वविद्यालय की शोध रिपोर्ट के मुताबिक 3 से ज्यादा घंटे तक सोशल मीडिया पर समय बिताने वालों में अन्य की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकार जैसे अवसाद, चिंता, अकेलापन, आक्रामकता या असामाजिक व्यवहार की आशंका बढ़ जाती है। सोशल मीडिया पर चिपके रहने वालों में अनिद्रा की समस्या भी हो जाती है। वाशिंगटन पोस्ट समाचार पत्र की एक न्यूज के अनुसार 12 से 15 वर्ष के किशोर-किशोरियां सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा समय बिताते हैं, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

निश्चित रूप से हमारे नामदेव समाज में भी सोशल मीडिया का पूर्ण दुरूपयोग हो रहा है। इसका उपयोग करने वाले यूजर्स इसके उपयोग और दुरूपयोग से भली प्रकार वाकिफ भी हो चुके हैं। हमारे दैनिक जीवन, रिश्तों, कार्य क्षमता तथा बच्चों की पढ़ाई पर इसका ज्यादा असर हो रहा है। हमारे बच्चों और किशोर तथा युवाओं का ज्यादा समय मोबाइल को देखने में व्यतीत हो रहा है। युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो रही है। इस माध्यम से हम अच्छा-बुरा, सुखद-दुखद, झूंठा-सच्चा, शिष्ट-अशिष्ट, सम्मानजनक-अपमानजनक तथा किसी भी प्रकार का संदेश डालकर सेकण्डों में पूरे समाज, प्रान्त और देशभर में वायरल कर रहे हैं।

अत: आवश्यकता इस बात की है कि **सोशल मीडिया के लिए कोई न कोई लक्ष्मण रेखा अवश्य ही होनी चाहिए,** समाज में दूषित होते जा रहे वातावरण को रोकना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी एवं सामाजिक कर्त्तव्य होना चाहिए। अन्यथा वह दिन दूर नहीं है जब हम सोशल मीडिया की न्यूज या किसी भी कन्टेन्ट पर विश्वास करना ही बन्द कर देगें और इस अति आधुनिक बहुद्देशीय संचार माध्यम को सिर्फ टेलीफोन की तरह ही काम लेना उचित समझेगें।

❑❑

(घनश्याम वर्मा)
प्रधान सम्पादक

आदि पंच प्यारे - भाई मोहकिम सिंह छीपा

सिक्ख धर्म के दस गुरू साहबान में गुरू नानकदेव जी से गुरू गोविन्द सिंह जी तक का ढाई सौ वर्षों का इतिहास शौर्यगाथाओं से परिपूर्ण है। इन सभी सिख गुरूओं ने तत्कालीन समय में विभिन्न राज्यों के राजाओं की मुगल शासकों से हुई मुठभेड़ों में अपने वीर सैनिकों को साथ लेकर सीधा मुकाबला किया। युद्धों में लड़ाई लड़ने के अलावा इन धर्म गुरूओं ने देश में पनप रही हिंसा, डर, धर्मपरिवर्तन, ऊंचनीच, छुआछूत, जातिमोह और कट्टरवाद को खत्म करने का काम भी किया।

सिक्खों के दसवे गुरू गोविन्द सिंह जी (ई.स. 1675 से 1708) ने बैसाखी के दिन आनंद पुर साहिब में 13 अप्रैल 1699 को खालसा पंथ की स्थापना की। खालसा पंथ की स्थापना का अर्थ होता है मन, बचन कर्म से शुद्ध। यह शब्द अरबी शब्द खालिस से बना है। इसी दिन गुरू गोविन्द सिंह ने सिक्खों 'सिंह' यानी 'शेर' का नाम भी दिया। इसी दिन उन्होंने सर्वप्रथम पांच प्यारों (पंज प्यारे) को अमृतपान करवाया और खालसा बनाया। तत्पश्चात उन पांच प्यारों के हाथों से स्वयं ने भी अमृतपान किया।

पंच प्यारे उन पांच सिक्खों को कहा गया, जो गुरूजी के आव्हान पर धर्म की रक्षा के लिए अपना-अपना सिर कटवाने के लिए तैयार हुए थे और जिन्हें गुरू जी ने अमृत पिलाया था। वे पंच प्यारे ही संपूर्ण सिक्ख समाज का प्रतिनिधित्व करते रहे। इन्हीं पंच प्यारों में छीपा समाज का वह 28 वर्षीय नौजवान वीर मोहकिम सिंह छीपा भी शामिल था।

जीवन परिचय :- मोहकिम चंद का जन्म सन् 1676 (माह ज्येष्ठ वि.सं. 1733) में तीरथचंद छीपा और माता देवीबेन के घर बेट द्वारका में हुआ था। बचपन का नाम 'मकम' था। सिक्स धर्म के नवें गुरू तेजबहादुर जी के शहीद होने के बाद गुरू गोविन्द सिंह ने पंच प्यारों की स्थापना से पहले सिक्ख समुदाय की एक सभा बुलाई थी। इस सभा में गुरू गोविन्द सिंह ने पूछा था कि मुगल शासकों के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए गठित किये जाने वाले शहीदी जत्थे में कौन-कौन अपना सिर बलिदान दे सकता है। इस बात को सुनते ही भीड़ में मौजूद लोग शांत हो गए। तभी पहला हाथ उठा, जो भाई दयासिंह का था। तब गुरू गोविन्द सिंह उन्हें तंबू के पीछे ले गये और थोड़ी देर बार जब लौटे तो उनकी तलवार पर खून की बूंदे थी। इसके बाद धर्म सिंह, हिम्मत सिंह, मोहकिम सिंह और साहिब सिंह अपना-अपना सिर कटवाने के लिए गुरू के साथ तंबू के पीछे चले गये। कुछ समय बाद गुरू गोविन्द सिंह के साथ वे पांचों ठीक-ठाक स्थिति में बाहर निकल आ गए। तभी से सिक्ख धर्म के हर पर्व की जिम्मेदारी इन्हीं पांच प्यारों के हाथों में सौंपी जाने लगी, जिनमें भाई

मोहकिम सिंह भी शामिल थे।

योगदान :- सन् 1685 में पाउटा (हिमाचल) में गुरू गोविन्द सिंह के साथ शामिल होने के बाद मोहकिम सिंह ने कई छोटी-बड़ी लड़ाईयां लड़ी। दस बड़ी लड़ाईयों में वीरता दिखाई। चम्कोर (पंजाब में) 7 दिसम्बर 1704 को हुई 11 वीं लड़ाई में पंच प्यारे हिम्मत सिंह और साहिब सिंह के साथ छीपा समाज का वीर भाई मोहकिम सिंह छीपा भी शहीद हो गया। तत्पश्चात 22 दिसम्बर 1704 को चमकोर की दूसरी लड़ाई सिरसा नदी के किनारे सिक्खों तथा मुगल सेना के बीच हुई। इस युद्ध में दसवें गुरू गोविन्द सिंह की अगुवाई में 40 सिक्ख सैनिकों ने मुगलों की 10 लाख सैनिकों की सेना का सामना किया था। सिक्ख सेना में गोविन्द सिंह के दो बड़े साहिबजादे अजित सिंह और जुझार सिंह भी शामिल थे। इस युद्ध में गुरू गोवन्दि सिंह को छोड़कर सभी सिक्ख सैनिक, दोनों साहिबजादे और शहीदी जत्थे के पंच प्यारे में से शेष दो पंच प्यारे दयासिंह और धर्मसिंह भी शहीद हो गये थे।

गुरूद्वारा :- गुजरात प्रांत के पवित्र तीर्थ स्थल द्वारका के समीप समुद्र के टापू पर स्थित बेट द्वारका में गुरूनानक देवजी का एक गुरूद्वारा है। इसी के समीप मोहकिम सिंह जी की जन्म स्थली है। उनका वह कच्चा घर आज भी वहां देखा जा सकता है। तत्कालीन समय में भी यह स्थान संतो की आवाजाही से भरा भक्ति का केन्द्र था। ईस्वी सन् 1527 में पुष्टिमार्ग के प्रवर्तक महाप्रभु श्रीमद् वल्लभाचार्य का, उनके पुत्र गुंसाई जी श्री विट्ठलनाथ जी एवं गो. श्री रघुनाथ जी का आगमन और प्रवास होता रहता था। प्रमाण स्वरूप यहां आज भी महाप्रभुजी की बैठक (कक्ष) के दर्शन किये जा सकते हैं। इस स्थान पर नानक साहब के स्थान के बाद भी सिक्ख धर्मगुरू, जत्थेदार ग्रंथी और उदासी संत इनका संदेश पहुंचाने के लिए बेट द्वारका अक्सर आते रहते थे। निश्चित रूप से यह पवित्र स्थान हम सभी के लिए भी श्रद्धा का केन्द्र है।

लेखक - **लेफ्टी. डॉ. सतीश चन्द्र व्यास**
जामनगर (गुजरात) मो. 9429272149

उद्‌गार - सिख परम्परा के गुरू गोविन्द सिंह जी के पंज प्यारो में गुजरात के भाई मोहकिम सिंह नाम का एक शूरवीर भी था। जामनगर (गुजरात) के डॉ. सतीश चन्द्र व्यास इस शूरवीर संत के जीवन के पूर्ण अभ्यास के धनी हैं। आपने परिश्रम करके भाई मोहकिम सिंह की जन्म स्थली को बेट द्वारका में खोज निकाला है। इस शूरवीर संत के जीवन के सभी पहलुओं को उजागर करने हेतु आपने गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश आदि स्थानों का भ्रमण कर शोधपरक दृष्टि से अध्ययन किया है। इस दृष्टि से उन्होंने अपनी शोध यात्रा के दौरान राजस्थान के प्रत्येक कोने की यात्राऐं की। उन्होंने भाई मोहकिम सिंह के जीवन एवं कृतित्व पर गुजराती और हिन्दी भाषाओं में पुस्तकें भी लिखी हैं। एतदर्थ मैं डॉ. सतीश चंद्र व्यास के प्रति आभार प्रकट करता हूँ।

- प्रो. मोहनलाल छीपा (जयपुर)
पूर्व कुलपति, अजमेर-भोपाल

हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं

मा. वत्सल नामा

मा. वत्सल नामा

पुत्र श्री भारत नामा को MBBS में चयनित होकर राजकीय मेडीकल कॉलेज बून्दी (राज.) में प्रवेश प्राप्त करने पर

हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभाशीष :

श्रीमती कांति देवी–स्व. श्री बाबूलाल जी नाफड़िया (दादी–दादाजी)
श्रीमती कांति देवी–स्व.श्री पूरणमल झड़िया (नानी–नानाजी)

शुभेच्छु :

भारत नामा–श्रीमती रेणु (पापा–मम्मी)

कु. वर्णी (बहिन)

- प्रांतीय संयोजक : राज. प्रो. नामदेव छीपा समाज महासभा समिति, जयपुर
- पूर्व जिलाध्यक्ष–श्री नामदेव छीपा समाज जिला विकास संस्था, बून्दी
- पूर्व उपाध्यक्ष – श्री नामदेव समाज–समाज हितैषी सभा संस्था, कोटा)
- पूर्व निदेशक – संत नामदेव आई.टी.आई. प्रबंध समिति, कोटा
- पूर्व अध्यक्ष – श्री नामदेव छीपा पंचायत, केशवरायपाटन
- अध्यक्ष – मानव चिकित्सा सेवा समिति, के. पाटन (बून्दी)
- पूर्व सचिव – जिला कांग्रेस कमेटी, बून्दी (राज.)

बृजगोपाल–सुनीता, विष्णु–सीमा, आशीष–हीना (चाचा–चाची), अनुज, नन्दिनी, आकांक्षा, तन्वी, अक्षत, शार्वी (भाई–बहिन), दिनेश बघेरवाल (बारां)–श्रीमती प्रवेश, ओमप्रकाश सामरिया (हिण्डोली)–श्रीमती अनिता, विकास (कोटा)–श्रीमती मीनाक्षी (बुआ–फूफाजी), दीप्ति–विवेक जी, देवकुमार, दुष्यन्त, अंकित, कपिल, चिन्टू, नैवी (भाई बहिन)

प्रतिष्ठान

मै. भगवान किराना | **मै. विष्णु ट्रेडर्स**

मै. विष्णु प्रोवीजन स्टोर | **मै. फेस्टीवल पॉइन्ट**

केशवराय पाटन, जिला बून्दी (राज.)

सम्प्रति : रामलीला चौक, वार्ड नं. 13, केशवराय पाटन, जिला बून्दी (राज.)
सम्पर्क : 9887438994, 9782751110

सेवानिवृत्ति पर हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

श्री यतेन्द्र कुमार बर्ग

(कोटा) को लगभग 40 वर्ष की केन्द्रीय राजकीय सेवाएं सफलतापूर्वक पूर्ण कर दूरदर्शन केन्द्र जयपुर से सहायक अभियंता पद से दिनांक 30 जून 2023 को सेवानिवृत्त होने पर

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

शुभेच्छुः

शकुंतला बर्ग (धर्मपत्नी), मयंक बर्ग-प्रीति नामा (पुत्र-पुत्रवधु), वनप्रिया-श्री मनीष धनोपिया (पुत्री-दामाद), श्री जुगल किशोर खंडेलवाल-श्री प्रेमलता (ससुर-सास), श्री श्याम सुंदर धनोपिया-श्रीमती मंजू, श्री राजेन्द्र नामा-श्रीमती निर्मला (समधी-समधन) श्रीमती विनोद नामा-श्री अनूप चंद, श्रीमती मंजूलता-श्री कैलाश चंद पटवा, श्रीमती निर्मला-श्री गायत्री प्रसाद गोठानिया (बहिन-बहिनोई) जगवी, मेधांश (पौत्री, पौत्र), निष्कर्ष, राध्या (नाती, नातिन) एवं समस्त बर्ग परिवार

निवास : फ्लेट नं. **604**, शुभ एफिनिटी, डी–मार्ट के पास, विवेकानंद नगर, कोटा (राज.)
मो.: 9414750166, 8949574486

सन्त नामदेव और 13 वीं-14 वीं शताब्दी के सन्त कवि

सामान्य भाषा में सन्त शब्द का प्रयोग सज्जन, साधु, भक्त एवं सत्पुरुष के अर्थ में किया जाता है। कुछ विद्वान इसे 'शान्त' शब्द का रूपांतर मानते हैं। व्यापक अर्थ में 'सन्त' शब्द का प्रयोग भारतीय साहित्य में वैदिक काल से हो रहा है। वेदों में 'सन्त' शब्द का प्रयोग ब्रह्म के विशेषण के रूप में, महाभारत में सदाचारी के लिए, भागवत में पवित्रात्मा के लिए, भर्तृहरि ने परोपकारी के अर्थ में और कालिदास ने बुद्धिमान के अर्थ में किया है। मराठी साहित्य में भगवान के साकार रूप की पूजा अथवा निराकार भगवान् की उपासना करने वाले, दोनों ही सन्त कहलाते हैं। पंजाबी भाषा में 'सन्त' शब्द का अर्थ साधु सन्यासी और महात्मा लिया जाता है। इसके अतिरिक्त जिसने अपने मन और इन्द्रियों को टिकाया है, अपने हृदय से क्रोधतथा वासना को हटा दिया है और हर समय भगवान का नाम लेता है उसे भी सन्त कहा जाता है।

सन्त विवेकशील, सारग्राही तथा निष्काम भक्त होते हैं। वह माया, कनक-कामिनी और मादक द्रव्यों से सर्वदा मुक्त होते हैं। जैसे सर्प चन्दन से लिपटे रहते हैं किन्तु चन्दन अपनी स्वाभाविक शीतलता का त्याग नहीं करता वैसे ही संत कोटि असंतों से घिरे रहने पर भी अपनी संतवृत्ति का त्याग नहीं करते। वह जाति-पाति के बन्धनों को स्वीकार नहीं करते । लोभ-मोह, मद-मत्सर, आशा-तृष्णा आदि का उन पर कोई असर नहीं होता। वे समस्त विकारों से दूर रहते हैं। उनका व्यक्तित्व समाज के लिए वरदान होता है।

इतिहास साक्षी है कि जब-जब समाज में वर्णभेद बढ़ा है, व्यवस्था के नियामकों द्वारा जनता का शोषण करने का प्रयास किया गया है, तब-तब समाज में से ही एक ऐसा प्रबुद्ध वर्ग आगे बढ़ा है जिन्होंने प्रखर शब्दों में समाज को पतन की ओर ले जाने वाली कुप्रवृत्तियों, कुप्रथाओं का विरोध किया है और जन सामान्य को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सचेत किया है। ईसा पूर्व छठी-सातवीं शताब्दी में बौद्ध धर्म के साध्कों ने, बौद्धों के पश्चात् वज्रयानी सिद्धों और नाथों ने, बारहवीं-तेरहवीं शताब्दी में दक्षिण में आलवारों ने, कश्मीर में वीरशैवों ने, महाराष्ट्र में सन्त ज्ञानेश्वर और सन्त नामदेव ने इस विद्रोह चेतना को आगे बढ़ाया। ब्राह्मण समाज के अत्याचारिक रस्मों से बचने के लिए सन्त ज्ञानेश्वर ने वारकरी सम्प्रदाय की नींव रखकर निम्न समझी जाने वाली जाति के लिए भक्ति का एक नया मार्ग खोला। इस संप्रदाय ने भक्ति भावना को जन साधरण में प्रचारित किया। धर्मिक दृष्टि से वारकरी उसे कहते हैं जो पंढरपुर स्थित विट्ठल की मूर्ति का उपासक है और आषाढ़ तथा कार्तिक शुक्ल एकादशी को नियमित रूप से पंढरपुर की यात्रा कर मूर्ति के दर्शन करता है।

सन्त नामदेव- सन्त नामदेव का संबंध वारकरी संप्रदाय से है और इनका का जन्म सन् 1270 को सतारा जिले के नरसी बमनी गाँव (महाराष्ट्र) में हुआ। इनकी जाति दर्जी थी जिसको मराठी में 'शिंपी' कहते हैं। नामदेव के पिता का नाम दामाशेट और माता का नाम गोणाई (गोनाबाई) था। इनकी पत्नी का नाम राजाबाई (राजाई) था। इनके चार पुत्रा और एक पुत्राी थी। इनका निर्वाण सन् 1350, घुमान जिला गुरूदासपुर (पंजाब) में हुआ। घुमान के स्मारक को गुरुद्वारा 'बाबा नामदेव जी' कहा जाता है। नामदेव में विट्ठल-भक्ति संस्कारवश ही थी। इनके पिता

विट्ठल के भक्त थे और प्रतिवर्ष पंढरपुर की यात्रा करते थे। एक जनश्रुति के अनुसार यह पहले सगुणोपासक थे और बाद में निर्गुणोपासक बन गए। संत नामदेव ने सर्वव्यापक निर्गुण ब्रह्म की ओर आने की प्रेरणा ज्ञानेश्वर से प्राप्त की परन्तु गुरु विसोबा खेचर को ही स्वीकार किया। सन्त नामदेव ने सन्त ज्ञानेश्वर के साथ तीर्थ-स्थानों की यात्राएँ भी की और कहा जाता है कि उस यात्रा में उन्होंने कई चमत्कारिक बातें की आचार्य परशुराम चतुर्वेदी तथा डॉ. सुदर्शन सिंह मजीठिया इनकी रचना का नाम 'तीर्थावली' मानते हैं।

सन्त नामदेव से पूर्व सिद्धों और नाथों ने भी निर्गुण ब्रह्म का प्रचार किया था परन्तु दोनों की साध्ना और माध्यम भिन्न था। सिद्ध और नाथ शुष्क ज्ञान और योग को विशेष मानते थे परन्तु नामदेव ने ज्ञान और योग के साथ भक्ति का भी समन्वय किया।

किंवदन्ती के अनुसार संत नामदेव ने कई सहस्त्रा अभंगों की रचना की। वे सब संत 'नामदेव की गाथा' नामक ग्रंथ में संगृहीत है। आदि ग्रन्थ के अन्तर्गत आये हुए उनके पदों की कुल संख्या 61 है और मराठी संग्रह में संग्रहीत हिन्दी पद लगभग 102 तक पाए जाते हैं। नामदेव के पदों की भाषा के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि उनमें मराठी, पंजाबी, राजस्थानी, अरबी, पफारसी, खड़ी बोली और ब्रजभाषा के शब्दों का मिश्रण है। आध्यात्मिक स्वर प्रधन होने के कारण इन पदों में शान्त, वात्सल्य और करुण रस की प्रधनता है। नामदेव के अनुसार ब्रह्म एक है, सर्व-व्यापक है, निर्गुण है, निरंजन है, पूर्ण है और उसके अतिरिक्त अन्य किसी वस्तु की सता नहीं है। वह कहते हैं-

सभै घट राम बोलै रामा बोलै ॥
राम बिना को बोलै रे ॥ (आदिग्रंथ/988)

उन्होंने परमात्मा को राम, हरि, नारायण, गोबिंद, निरंकार, भगवान, अलह, विट्ठल, गोपाल, जगजीवन आदि कई नामों से पुकारा है। ब्रह्म ही जीव में व्याप्त है। जीव का शरीर नश्वर है, पिफर भी वह अहंकार में डूबा है। अपनी क्षणभंगुरता में गर्व करना मूर्खता है। नामदेव जी मनुष्य को समझाते हैं कि-काहे रे नर गर्व करत है।।

बिनसि जाइ झूठी देही ॥
(आदिग्रंथ/692)

वह माया को प्रबल शक्ति मानते हैं, इसके अनेक रूप है और जिसने सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रखा है। वह कहते हैं-

एक अनेक ब्यापक पूरक जित देखौ तित सोई ॥
माया चित्रा बचित्रा बिमोहित बिरला बूझे कोई ॥
(आदिग्रंथ/ 485)

केवल प्रभु भक्ति करने वाला ही इस माया रूपी खेल को समझ सकता है। सन्त नामदेव की साध्ना में नाम स्मरण, गुरु, योग और सत्संगति को महत्वपूर्ण स्थान मिला है। हरि के नाम-स्मरण से सब पीड़ाएँ समाप्त होती है, यही कालचक्र से मनुष्य को मुक्त कराता है। यही जीवन का सार है, यही संसार-सागर से पार होने का एक मात्रा साध्न है।

हरि हरि करत मिटे सभ भ्रमा
हरि को नाम लै उफतम धरमा ॥
(आदिग्रंथ/874)

सन्त नामदेव जाति-पाति के भेदभाव और साध्ना में बाह्याडम्बरों का विरोध करते हैं। सन्त नामदेव जी की संपूर्ण रचनाओं को भक्ति भावना की दृष्टि से तीन भागों में बांटा जा सकता है-

- पूर्वकालीन रचनाएँ- जब वह विट्ठल की मूर्ति की पूजा करते थे।

● मध्यकालीन रचनाएँ– जब वह अंधविश्वासों से मुक्त हो रहे थे।

● उत्तरकालीन रचनाएँ– जब गुरु विसोबा खेचर के ज्ञान से उन्हें हर जगह परमात्मा का व्यापक रूप दिखने लग गया था।

सन्त नामदेव के समकालीन सन्त कवियों ने समाज में व्याप्त जातिगत, ऊँच–नीच के भेदभाव को न केवल देखा अपितु स्वयं उन्हें इसे भुगतना भी पड़ा। उन्होंने न केवल इसका विरोध किया बल्कि सामाजिक परिवेश को स्वस्थ एवं सुदृढ़ बनाने के लिए विकल्प भी प्रस्तुत किये।

सन्त नामदेव के समकालीन सन्त कवियों में निवृतिनाथ, ज्ञानेश्वर, सोपानदेव, मुक्ताबाई, विसोबा खेचर, गोरा कुम्हार, चांगदेव, जनाबाई, त्रिलोचन, सदना, बेणी, सावता माली, चोखामेला, सेनानाई, नरहरि सुनार, जगामित्रा नागा, परिसा भागवत, योगा परमानंद, गोंदा, सन्त लालदेद, बंका इत्यादि प्रमुख है।

1. निवृतिनाथ– संकटग्रस्त परिवार में पैदा हुए इस गंभीर स्वभाव के साधक ने अपने ज्ञानेश्वर, सोपान नामक भाईयों और बहन मुक्ताबाई को सभी विपरीत परिस्थितियों में आधार दिया, नाथमत में दीक्षित भी किया और उनके गुरु बने। निवृतिनाथ की मराठी रचनाएं में नाथ दर्शन का सुबोध स्पष्टीकरण है। अपने गुरु गैनीनाथ की गुपफा के निकट त्रयम्बकेश्वर में ही इनका विशाल समाधिमन्दिर बना हुआ है।

2. ज्ञानेश्वर– यद्यपि ज्ञानेश्वर ने अपनी गुरु परम्परा आदिनाथ से स्वीकार की थी और स्वयं 'नाथ–मत' से दीक्षित भी हुए थे। तथापि वह वारकरी सम्प्रदाव की नींव के पत्थर माने जाते हैं। ज्ञानेश्वर जी का घराना आपेगाँव का रहने वाला था। अधिकतर विद्वान उनका जन्म स्थान आलंदी ही मानते हैं। डॉ. भिंगारकर (संत साहित्य के क्षितिज कबीर और ज्ञानेश्वर) अनुसार ज्ञानेश्वर जी के निम्नलिखित ग्रंथ माने जाते हैं–

(1) ज्ञानेश्वरी (2) अमृतानुभव (3) चाँगदेव पासष्टी (4) हरिपाठ

ज्ञानेश्वरी, ज्ञानेश्वर जी का सबसे श्रेष्ठ तथा प्रधन ग्रंथ माना जाता है। अशिक्षित लोगों को संस्कृत में लिखी गई गीता समझाने के लिए गीता का भावार्थ ज्ञानेश्वर जी ने मराठी में दिया है। उनके समकालीन सन्त नामदेव जी इस ग्रंथ को ज्ञानदेवी और गीता टीका से भी सम्बोधित करते हैं। गीता का भावार्थ इसमें आया है इसलिए इस ग्रंथ को 'भावार्थ दीपिका' भी कहते हैं। उत्तर भारत में जो स्थान 'रामचरितमानस' को प्राप्त है वही स्थान महाराष्ट्र में ज्ञानेश्वरी को प्राप्त है। अमृतानुभव में ज्ञानेश्वर जी ने आत्मानुभूति को अभिव्यक्त किया है। चांगदेवपासष्टी एक प्रासंगिक रचना है। मन को संभ्रान्त अवस्था में कोरा खत लिखने वाले योगिराज चांगदेव को उद्देश्यकर पैंसठ आवियों का पद उपदेशात्मक उत्तर है। हरिपाठ में सताईस अभंग है। ज्ञानेश्वरी और अमृतानुभव लिखने के बाद सन्त नामदेव के साथ ज्ञानेश्वर जी ने तीर्थयात्रा की। यात्रा के अवसर पर ही अभंगों की रचना हुई। अभंगों में निर्गुण भक्ति और अद्वैत तत्वज्ञान का विवेचन मिलता है।

3. मुक्ताबाई – मुक्ताबाई सचमुच ही जीवन्मुक्त थी। सकल सन्त गाथा में संकलित मुक्ताबाई के मराठी अभंगों से उनका हठयोग, विद्या तथा आध्यात्मिक साधना पर गंभीर अधिकार स्पष्ट है। उन्होंने हठयोगी चांगदेव को सत्य ब्रह्मज्ञान का उपदेश देकर अद्वैतभक्ति सुख का अधिकारी बनाया। सगुण भक्ति से निर्गुण भक्ति की ओर नामदेव को लाने का श्रेय स्वयं नामदेव मुक्ताबाई द्वारा की गई उनकी आलोचना को देते हैं। मुक्ताबाई के 12 मराठी अभंगों के

अतिरिक्त उनका एक हिन्दी पद अब तक उपलब्ध हो चुका है।

4. विसोबा खेचर– यह नामदेव के गुरु थे। ज्ञानेश्वर के उपदेश से ये विरक्त होकर योगाभ्यास करने लगे। कहा जाता है कि इन्होंने योगबल से आकाश में उड़ने की सामर्थ्य प्राप्त की थी। इसलिए इन्हें खेचर कहते हैं। विसोबा ने जितने पद लिखे हैं उसमें से अधिकांश वैराग्य और भक्ति विषयक ही है।

5. गोरा कुम्हार – इनका जन्म तेरढोकी नामक गाँव में कुम्हार के कुल में हुआ था। इनकी आध्यात्मिक श्रेष्ठता ध्यान में रखकर सब सन्त उन्हें गोरोबा काका कहते थे। अपना व्यवसाय करते समय विट्ठल का नाम स्मरण करते थे और हृदय के भाव अभंगों के द्वारा प्रगट करते थे। वे आत्मानुभवी थे। उन्होंने ही एक बार नामदेव को कहा था कि तू आत्मानुभव से कच्चा है, निरा भावुक भक्त है। आत्मानुभव के बिना भक्ति अधूरी रहती है। इसके पश्चात् सन्त ज्ञानेश्वर के आदेशानुसार नामदेव ने विसोबा खेचर से गुरदीक्षा ली।

6. जनाबाई– जनाबाई जो नामदेव की दासी थी। नामदेव की भक्ति का विकास होने पर जनाबाई उनसे बहुत प्रभावित हुई और उनसे दीक्षा ग्रहण कर उन्हीं के साथ भजन-कीर्तन के द्वारा विट्ठल भगवान की अराध्ना करने लगी। कुछ दिनों के सत्संग से ही जनाबाई के हृदय में विट्ठल-भक्ति का स्त्रोत प्रवाहित हो उठा और वह स्वयं अशिक्षित होने पर भी भक्तिपूर्ण सुन्दर पदों की रचना कर अपने आराध्य का गुण-गान करने लगी। यदि हम जनाबाई के पदों को ज्ञानेश्वर की योगानुभूति, नामदेव की सगुणोपासना और उसकी स्वयं की रसानुभूति की त्रिवेणी कहें तो अत्युक्ति न होगा। जनाबाई के 350 पद उपलब्ध है।

7. त्रिलोचन– यह भी नामदेव के समकालीन थे। 'भक्तमाल' में त्रिलोचन को नामदेव का गुरुभाई बताया गया है। भूत, भविष्य तथा वर्तमान के एक साथ द्रष्टा होने के कारण इनका नाम त्रिलोचन पड़ा था। इनकी अधिक रचनाएँ नहीं मिलती। केवल चार पद उनके नाम से 'आदि ग्रंथ' में संगृहत है। 'आदि ग्रंथ' में संगृहित चार पदों में इन्होंने माया-मोह का प्रभाव, झूठे सन्यासियों की कड़ी आलोचना, नाम स्मरण पर बल और कर्म की बलवती शक्ति पर बल डाला है।

8. सदना/सदन– सदना जाति के कसाई थे। ये स्वयं पशुओं को नहीं मारते थे। केवल मरे पशुओं का मांस बेचकर अपनी अजीविका चलाते थे। मेकॉलिपफ के अनुसार नामदेव तथा ज्ञानदेव की तीर्थयात्रा के समय सदना ने दोनों सन्तों का आतिथ्य-सत्कार करके तीर्थ यात्रा में उनका साथ भी दिया था। इनके विषय में प्रसिद्ध है कि जिस सालिग्राम की बटिया की पूजा करते थे, उसी से वह मांस भी तोलते थे। एक दिन एक साधु ने इनकी श्रद्धा भक्ति देखकर इन्हें उपदेश दिया। उस उपदेश से इनके हृदय कपाट खुल गए और उसी दिन से यह सन्त हो गए। सन्त सदन द्वारा लिखित केवल एक पद 'आदि ग्रंथ' में मिलता है जिसमें प्रभु के सामने आत्म निवेदन किया गया है। वह कहते हैं-

मैं नाही कुछ हउ नहीं किछु आहि न मोरा॥
अउसर लज्जा राखि लेहु सध्ना जनु तोरा॥

(आदिग्रंथ/858)

9. बेणी– आचार्य परशुराम चतुर्वेदी इन्हें नामदेव के समकालीन मानते हैं। 'आदि ग्रंथ' में इनके तीन पद संगृहत है। इनके द्वारा रचित एक पद में यौगिक प्रभाव अधिक दिखाई पड़ता है जिसके कारण इन्हें नाथ योगी सम्प्रदाय अथवा सन्त मत से प्रभावित माना गया है। सन्त बेणी अपने पदों में जहां मूर्ति पूजा का विरोध करते

पदोन्नति एवं विवाहोपलक्ष्य पर हार्दिक बधाई व मंगल कामनाएं

फ्लाइंग ऑफिसर मा. प्रियंक नागर को फ्लाइंग लेफ्टिनेंट पद पर पदोन्नत होने पर हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं

चि. प्रियंक नागर

सुपौत्र : स्व.श्री भंवरलाल नागर-श्रीमती पार्वती देवी
सुपुत्र : श्री बालमुकुन्द नागर-श्रीमती अनुराधा
निवासीः गगवाना (अजमेर)

का

सौ.कां. महिमा

सुपौत्री : श्रीमती शांति देवी-स्व. श्री रामस्वरूप नामा
सुपुत्री- श्री पवन कुमार सरावगी-श्रीमती शीला
निवासीः भीलवाड़ा

शुभ विवाह

दिनांक 23 नवम्बर 2023 को भीलवाड़ा में सम्पन्न होने पर
वर-वधु को हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु मंगल कामनाएं

शुभेच्छु

श्री हीरालाल जी धनोपिया-श्रीमती सुशीला देवी (नाना-नानी)
श्रीमती पार्वती देवी (दादी)
बालमुकुन्द-श्रीमती अनुराधा (पापा-मम्मी)
महेन्द्र कुमार-श्रीमती निर्मला,
जितेन्द्र कुमार-श्रीमती आशा (चाचा-चाची)
मयंक, गौरव, रिषभ, नारायण, यश (अनुज), कु. दीक्षा (बहिन)
श्रीमती भागवन्ती देवी-श्री प्रकाश चंद नईवाल (बुआ-फूफाजी)
श्री सूरज प्रकाश सोपरा-श्रीमती रजनी देवी,
श्री आशीष कुमार बाकलीवाल-श्रीमती विजय लक्ष्मी,
श्री रमेश चंद गंगवाल-श्रीमती ज्योति (मौसाजी-मौसी)

निवास : 304, पृथ्वीराज नगर, यू.आई.टी. कॉलोनी, भगवान गंज, अजमेर
मो. 9829413497, 9772780652

विवाहोपलक्ष्य पर हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं मंगल कामनाएं

चि. सूरज

सुपौत्र : स्व.श्री घीसूलाल जड़िया-स्व.श्रीमती गीता देवी
सुपुत्र- श्री किशनलाल जड़िया-श्रीमती मधुदेवी
निवासीः चित्तौड़गढ़ (राज.)

का

शुभ विवाह

सौ.कां. एकता

सुपौत्री : स्व.श्री सोहनलाल चिचोदिया-स्व.श्रीमती गौरी देवी
सुपुत्री : श्री जयप्रकाश चिचोदिया-श्रीमती विमला देवी
निवासीः भीलवाड़ा (राज.)

दिनांक 24 नवम्बर 2023 को सम्पन्न होने पर वर-वधु को हार्दिक बधाई
शुभाशीष एवं सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु मंगल कामनाएं

शुभेच्छु

श्रीमती सोहन देवी-स्व.श्री वृद्धिचंद (दादी-दादा)
लेहरूलाल-श्रीमती सोहन देवी, बंशीलाल-श्रीमती मांगी देवी, रमेश लाल-श्रीमती कौशल्या देवी (दादा-दादी)
श्रीमती कौशल्या देवी-स्व.श्री भैरूलाल, श्रीमती मंजू देवी-श्री कैलाशचंद (बुआजी-फूफाजी)
श्रीमती सोनू देवी-अनिल कुमार जी, श्रीमती नीलू देवी-हरीश कुमार जी, श्रीमती डिम्पल देवी-अरूण कुमार जी, श्रीमती पूनम देवी-चन्द्रेश कुमार जी (दीदी-जीजाजी) एवं समस्त जड़िया परिवार-चित्तौड़गढ़

प्रतिष्ठान

मै. बजरंग ग्लास हाउस

मै. बजरंग एन्टरप्राइजेज

चित्तौड़गढ़-कोटा हाईवे, सेमलपुरा बाईपास, कट्टा फैक्ट्री के सामने, चित्तौड़

निवास : 4-A, ऋषभ कॉम्पलेक्स, न्यू क्लॉथ मार्केट के पास, चित्तौड़गढ़ (राज.)
मो. 9460365441, 9660065441

हैं वहाँ वह सांसारिक आकर्षणों एवं सम्बन्धें को मिथ्या बतलाकर भगवान के नाम स्मरण करने पर बल देते हैं और मृत्यु के अनन्तर प्राप्त मुक्ति की अपेक्षा जीवनमुक्ति को श्रेष्ठ मानते हैं।

10. सांवता माली – ये अरणभेंडी नामक गाँव में रहते थे। कहते हैं कि इनकी कीर्ति सुनकर सन्त ज्ञानेश्वर इनसे मिलने गए थे। वे अपने व्यवसाय में ही विट्ठल का दर्शन करते थे। वे कहते हैं कि 'प्याज, मूली, भाजी इनमें मैं अपने विट्ठल को ही देख रहा हूँ। लहसन, मिर्च, धनिया ये सब मेरे हरि के ही रूप है। इस प्रकार के इनके तेईस (23) अभंग उपलब्ध है।

11. सेना नाई– सन्त सेना के अधिकांश पद भगवान कृष्ण की भक्ति तथा सन्त महिमा से संबंधित है और उनमें भक्त-हृदय की पवित्राता और नम्रता कूट कूट कर भरी है। इनके लिखे लगभग 150 पद प्राप्त है। सेना नाई के द्वारा की जाने वाली दार्शनिक हजामत भी विचित्रा है। वह सन्त नामदेव के साथ पंजाब भी गये थे। सन्त सेना के आदि ग्रंथ में 1 पद सम्मिलित है।

12. नरहरि सुनार– ये पंढरपुर के ही निवासी थे, पर शिव भक्त होने के कारण इन्होंने कभी विट्ठल के दर्शन भी नहीं किये थे। जब एक बार एक धनिक व्यक्ति ने इनसे विट्ठल भगवान के लिए सोने की करध्नी बनवाई, पर वह कभी मूर्ति की कमर में छोटी होती और कभी बड़ी। अन्त में इन्हें स्वयं विट्ठल की मूर्ति की कमर का नाप लेने जाना पड़ा तो उन्हें विट्ठल की मूर्ति शिव की मूर्ति ही लगने लगी और उन्हें ज्ञान हुआ कि हरि और हर (विष्णु और शिव) दो पृथक् देवता नहीं, एक ही महान शक्ति के दो रूप हैं। इसके बाद उनके हृदय में द्वैत-भावना नष्ट हो गई। आगे चलकर उन्होंने कई अभंगों की सरस रचना की।

13. चोखामेला– ये जाति के महरे थे। ये मंगलवेठा नामक गांव के निवासी थे। विट्ठल के कट्टर भक्त होने के कारण प्रतिवर्ष पंढरपुर की वारी करते थे। वहां सन्त नामदेव के भजन कीर्तन में तल्लीन होते थे। इन्होंने कई अभंगों की रचना की। जैसे नामदेव के प्रभाव से उनका पूरा कुटुम्ब भक्त और कवि बना था वैसे ही सन्त चोखामेला की पत्नी सोयरा बाई, बहन निर्मला बाई, पुत्रा कर्ममेला और सोयरा बाई का भाई बंका भगवदभक्त और कवि बने।

14. लालदेद– सन्त लालदेद कश्मीर-निवासिनी, मेहतर जाति से संबंधित उच्च विचारवाली, शैव सम्प्रदाय का अनुसरण करने वाली स्त्री थी। इनका समय वही था जो सन्त सदना एवं नामदेव का था। इनके पदों का संग्रह 'लल्लावाक्यानि' नाम से प्रकाशित है। इनकी रचनाओं के विषय शैवों की योग साध्ना से संबंधित है। यह 'लल्ला-योगिनी' नाम से भी प्रसिद्ध है।

इस प्रकार इन सन्त कवियों की काव्य-रचना का मुख्य उद्देश्य तत्कालीन समाज में प्रचलित कुरीतियों तथा बाह्याडम्बरों को दूर करना, पथ भ्रष्ट जनता को उचित मार्ग पर लाना, विश्व-कल्याण के हेतु विश्व-बन्धुत्व की भावना का प्रसार करना और स्वस्थ सामाजिक आदर्शों का निर्माण करना था। सन्त कवियों द्वारा प्रस्तुत सामाजिक आदर्श आज भी उतने ही सबल है, उनमें आज भी उसी प्रकार की मार्ग-निर्देशन की शक्ति है, जिस प्रकार की आज से सैकड़ों वर्ष पूर्व थी। विश्वबन्धुत्व एवं सात्विक प्रेम से आविष्ट सामाजिक आदर्शों की ज्योति, जिसे इन सन्त कवियों ने प्रज्जवलित किया था, अनेक युग-युगान्तरों तक मानव को एकत्व के सूत्रा में बांध्कर मानव मात्रा का सच्चा आदर्श उपस्थित करती रहेगी।

– डॉ. रंजू बाला
असिस्टेंट प्रोफेसर
मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

[हमारे स्वतंत्रता सेनानी –7]

स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी : श्री माधव लाल बलरिया

नामदेव छीपा समाज के कई सूरवीरों का देश की आजादी की लड़ाई में उल्लेखनीय योगदान रहा है। हाड़ौती क्षेत्र के बारां जिले के श्री माधवलाल बलरिया भी उन स्वतंत्रता सेनानियों की सूची में शामिल है जिन्होंने स्वतंत्रता आन्दोलन में संघर्ष कर आजादी की लड़ाई में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जीवन परिचय– श्री माधव लाल बलरिया का जन्म 2 जून 1912 को बारां जिले के शेरगढ़ नामक स्थान पर हुआ। पिता श्री नारायण लाल कपड़ा बेचने का व्यवसाय करते थे। बाद में परिवार छीपाबड़ौद आकर बस गया। वहीं 17 वर्ष की आयु में छीपाबड़ौद में सामरिया परिवार की मांगी बाई से विवाह हो गया। श्री माधव लाल बलरिया प्रारंभ से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। उन्होंने मेट्रिक तक की परीक्षा पास की। उसके बाद सरकारी शिक्षक के रूप में नौकरी लग गयी।

उस समय भारत में अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ जगह–जगह आन्दोलन चल रहे थे। हाड़ौती क्षेत्र में भी प्रजामण्डल के माध्यम से आजादी की लड़ाई में नवयुवक संघर्ष में शामिल हो रहे थे। माधव लाल बलरिया ने इनसे प्रेरित होकर सरकारी नौकरी त्याग दी और आजादी के लिए होने वाले विरोध प्रदर्शनों, हड़ताल, जुलसों में शामिल होने लगे। इसी दौरान श्री माधव लाल ने वकालत के लिए कानून विशारद की परीक्षा पास की और छीपाबड़ौद से छबड़ा कस्बे में आकर वकालत करने लग गये। छबड़ा क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानियों में उनके साथी श्री कन्हैयालाल जी एवं श्री कंवर लाल जी थे। ये लोग कोटा आते और वहां प्रजामण्डल द्वारा किये जाने होने वाले विरोध प्रदर्शनों में भाग लेते रहे। सन् 1940 में कोटा–झालावाड़ क्षेत्र के प्रजामण्डल का अधिवेशन मांगरोल कस्बे में हुआ, जिसने नवयुवकों को आजादी की लड़ाई के लिए जागरूक करने का कार्य किया। विदेशी वस्त्रों की होली जलाई गई। प्रभात फेरियों तथा लोकगीतों के माध्यम से जन चेतना का कार्य किया।

1942 में महात्मा गांधी के "अंग्रेजों भारत छोड़ों" आन्दोलन के दौरान कोटा में रामपुरा कोतवाली पर आन्दोलनकारियों ने 3 दिन तक तिरंगा फहराया और जनता के राज की घोषणा की गई। श्री माधव लाल बलरिया ने अपने साथियों के साथ स्वतंत्रता प्राप्ति तक होने वाले आन्दोलनों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। आजादी के बाद भी वे कांग्रेस पार्टी के सक्रिय सदस्य बने रहे और चुनावी राजनीति से दूर रहकर पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते रहे। भारत सरकार द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को दी जाने वाली पेंशन राशि उस समय 200/– स्वीकृत की गई, जिसे उन्होंने लेने से इन्कार कर दिया।

श्री माधव लाल बलरिया छबड़ा में रहकर वकालत का कार्य करते रहे। वह गरीब एवं असहाय लोगों के मुकदमें न्यूनतम राशि लेकर लड़ते थे। छबड़ा नामदेव छीपा पंचायत के आजीवन अध्यक्ष भी रहे। समाज के लोगों की उन्होंने यथा संभव सहायता की। संत नामदेव भवन पाटनपोल, कोटा के निर्माण हेतु राशि संग्रह में उन्होंने तत्कालीन अध्यक्ष श्री चम्पालाल जी झड़िया का महत्वपूर्ण सहयोग किया। दिनांक 13 मार्च 1983 को 71 वर्ष की आयु में श्री बलरिया का स्वर्गवास हो गया। वह अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़कर संसार से विदा हो गये।

ओम शांति !

–घनश्याम बलरिया
सेवानिवृत्त व्याख्याता (इतिहास), कोटा

हार्दिक बधाई एवं वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **निखिल सरावगी**

जन्म तिथि : 12 जून 1995

जन्म समय : 06:30 AM

जन्म स्थान : अजमेर (राज.)

लम्बाई : 5'9''

योग्यता : एम. ए. (मनोविज्ञान)

जॉब : कोटा की एलन संस्थान की सीकर ब्रांच में मनोवैज्ञानिक

गौत्र निषेध : सरावगी, गोठरवाल, धनोपिया, अमरवाल

निखिल सरावगी

M.A.

DOB : 12/06/1995

श्रीमती शांति देवी (दादी)

शुभाशीष

कैलाश चंद सरावगी–अंजना (पापा–मम्मी)

शुभेच्छु :

श्रीमती शांति देवी (दादी), श्रीमती मनोरमा देवी (नानी)
कैलाशचंद सरावगी–श्रीमती अंजना (पापा–मम्मी)
लालचंद सरावगी (चाचा), कृष्ण गोठरवाल (मामा)
राजेन्द्र नामा–श्रीमती ललिता नामा (फूफाजी–बुआ)
रूपेश नागर–श्रीमती अलका (मौसाजी–मौसी)
एवं समस्त परिवारजन

सम्प्रति : 5/2, लोकाशाह नगर, गुर्जर गौड़ छात्रावास के पीछे, पो. ब्यावर (राज.)
सम्पर्क : 6367196175, 9352906981

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

अनिरुद्ध डिग्गीवाल

Ex. NPCIL Scientific Officer C, Ex. Sr. Mechanical Engineer (Applied Materials, Bangalore) को IIM Mumbai से MBA करने

तथा **डॉ. खुशी डिग्गीवाल** को

Bachlor of Dental Surgery को Geetanjali Medical College, Udaipur से इंटर्नशिप पूरी करने पर

चि. अनिरुद्ध डिग्गीवाल
M.Tech (IIT Delhi)
DOB : 07/08/1995

डॉ. खुशी डिग्गीवाल
BDS
DOB : 23/12/1998

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

महेश डिग्गीवाल (RES)–श्रीमती कल्पना (पापा–मम्मी)
कैलाश चन्द (Businessman)– श्रीमती कौशल्या देवी (ताऊजी–ताईजी)
दिनेश डिग्गीवाल (Sr. Audit Office Jpr) – श्रीमती रीटा (चाचा–चाची)
श्री प्रहलाद दौसाया (Rt. RES) –श्रीमती रामेश्वरी (नाना–नानी)
श्री राजेश दोसाया (Sr. Nursing Officer JLN Ajmer)–श्रीमती कविता (मामा–मामी)
एवं समस्त डिग्गीवाल परिवार, राहुवास (दौसा)

निवास : A-90, नेताजी सुभाष बॉस कॉलोनी, गुप्तेश्वर रोड़, दौसा (राज.)
(M) : 9414770612, 9602371661, 9414796115, 9461477337

ऋषिता टटवाल
DOB: 08-03-1998

वैवाहिकी परिचय विवरण

ऋषिता टटवाल

नाम	:	
जन्म तिथि	:	08–मार्च–1998
जन्म समय	:	4.10 PM
जन्म स्थान	:	सागर (म.प्र.)
लम्बाई	:	5' 5''
योग्यता	:	B.Tech
जॉब	:	इंफोसिस में सोफ्टवेयर इंजीनियर
गौत्र निषेध	:	टटवाल, नुवाल, झड़िया, गंगवाल

शुभेच्छु

श्रीमती नंदिता–स्व. श्री मूलचंद टटवाल (मम्मी–पापा)
मो.: 9887147866
राजीव टटवाल (भ्राता) मो. 9414276788
प्रियंका, भावना (बहिनें), महेश, प्रदीप, भगवान (ताऊजी), मोहन (चाचा) एवं टटवाल परिवार

निवास : 55, टटवाल भवन, न्यू मार्केट, शहर सवाई माधोपुर (राज.)

विश्व विरासत गागरोन दुर्ग एवं छीपा समाज का देवालय

राजस्थान के झालावाड़ जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर स्थित विश्व विरासत गागरोन जल दुर्ग परिसर में छीपा समाज का एक प्राचीन आकर्षक देवालय है, जो संवत 1877 का है। इसे यहां छीपों का राम मंदिर कहा जाता है। मंदिर के प्रवेश द्वार के चबूतरे पर एक लम्बा शिलालेख लगा है, जिसे समाज के व्यक्तियों ने चार फीट मलबे से निकाला है। इसी स्थान से हनुमान जी की मूर्ति और मंदिर का अधोभाग भी चार फीट मलबे में दबा हुआ था, जिसे हमारे समाज बन्धु श्री रघुनंदन सरल और श्री ओम प्रकाश जेठानिया ने खोदकर निकाला था। मंदिर परिसर में प्राप्त शिलालेख की भाषा निम्नानुसार है :-

संवत 1877.... प्रव जी झाजी 1741.... सुवजहज नमा- तम माव ञात गंमा वे जु ज ड पु जेतयी तथी 12 वार बुध व खारज र ग र झ र द र त मा हा रा - ज महाराव जी श्री उमे - मेद सींधजी राजदार हे पू म णा राज श्री जालमसिंहजी उसपा गढ़ - गागरोन पाजी झामी तुम पर हावज अवतुलम श्री ठाकुरजी - राम दरवाजा श्री छीपा प - उ डु साल प्रावम य ॥ पंचान कलादार धाव राज दौलतरामजी द्वार जाना । पीलादार संवत.... कोटा भवाना हुमालराव सलावट हेमरा जी ।

उक्त शिलालेख मूलतः कोटा के महाराव उम्मेद सिंह एवं उनके दीवान जालिम सिंह के समय का है। इस लेख में छीपा जाति का भी नामोल्लेख है। यह मंदिर सूरजपोल गेट के बांयीं ओर मार्ग पर स्थित है। दुर्ग के पुराने बुजुर्गों के अनुसार यह मंदिर छीपा जाति के लोगों द्वारा कोटा राज्य के समय बनवाया भगवान राम-सीता का मन्दिर है, जिसे छीपा जाति का राम मंदिर कहा जाता है। एक सुव्यवस्थित चौरस स्थल पर बने इस मंदिर में सुन्दर प्रदक्षिणा स्थल व महराबदार स्तम्भ बने हुए है। इस मंदिर के राम-सीता के मन्दिर होने का प्रमाण यह है कि इसके समक्ष -के चबूतरे पर हुनमान जी की विशाल प्रतिमा स्थित है। यह मन्दिर कोटा राज्य के समय विशिष्ठ मन्दिर रहा होगा। मन्दिर में आज भी उपासना एवं परिक्रमा मार्ग, स्थल बने हुए है। मन्दिर के बाहर एक अभिलेख भी है, जिसमें कोटा महाराव उम्मेदसिंह का नामोल्लेख है। इस अभिलेख का वर्णन पूर्व में किया गया है।

मन्दिर का गर्भगृह प्रवेश पूर्वाभिमुखी है। दूसरी ओर एक लघु स्तम्भ पर गणेश, वृषभ सहित सूर्य, चन्द्र की आकृतियां भी है। राम मंदिर के ठीक सामने के चबूतरे पर एक पाषाण शिला पर 7 फुट की खड़ी वीर हनुमानजी की सुन्दर प्रतिमा प्रतिष्ठित है, जो आज भी ग्रामवासियों द्वारा पूजित श्रृंगारित की जाती है। प्रतिमा में वीर हनुमान के दाहिने हाथ में द्रोणाचल पर्वत व बांये हाथ में गदा है। इनके दाहिने पैर के नीचे एक डाकिनी औंधी पड़ी है, जबकि हनुमानजी की पूंछ उनके शीश पर है। वे लंगोट धारण किये हुए है। उनके वक्ष स्थल पर एक उपरना (दुपट्टा) हैं जो उनके दोनों कन्धों के पीछे से निकला हुआ है। पर्यटक इस प्रतिमा को देख कर सहसा अपने कदम वही थाम लेता है। ये मंदिर और इसके सामने की ये प्रतिमा झाला जालिम सिंह एवं कोटा महाराव उम्मेद सिंह के समय की है

यानि 19 वीं सदी के मध्य की है।

लगभग 20 वर्ष पूर्व श्री नामदेव छीपा समाज झालावाड़ द्वारा इस मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया और पुनः वहीं राम, सीता, लक्ष्मण व संत नामदेव जी की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। हनुमान जी की मूर्ति एक चबूतरे पर स्थापित थी जिस पर श्री प्रदीप सोरनिया ने अपने पिता श्री गजानन्दजी सोरनिया की स्मृति में स्वयं के खर्चे से छतरी का निर्माण करवाया। पांच वर्ष पूर्व सीनियर आई.ए.एस. प्रिन्सीपल सेक्रेट्री पुरातत्व विभाग श्रीमान् उमरावजी सालोदिया द्वारा मन्दिर का प्लास्टर एवं आंगन में फर्शी का कार्य करवावा गया, जिसका अनुमानित खर्चा 3-4 लाख के करीब है।

गागरोन 'जलदुर्ग' भारत का एक मात्र किला है, जो बिना नींव के चट्टान पर खड़ा है। दुर्ग व इसके आस-पास की खूबसूरती के कारण 21 जून 2013 को यूनिस्को ने इसे विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया था। तीन तरफ से नदियों से घिरा होने के कारण इसे जल दुर्ग भी कहा जाता है। एक तरफ पश्चिम से पूर्व की ओर आहू नदी, तो दुर्ग के दक्षिण से उत्तर की तरफ कालीसिन्ध ये दोनों नदियां किले के पास ही मिलती है, जैसे संधि कर ली हो। तीसरी तरफ से भी किला घिर जाता है। गागरोन के सूरजपोल गेट के सामने राज मन्दिर श्री मधुसूदन एवं बांई ओर एक मार्ग है, उसके दक्षिण में अन्य समाज का राम मंदिर एवं स्टेट समय का एक कुंआ है। कुएं से स्टेट के समय गागरोन ग्रामवासी पानी भरते थे। उसके आगे छीपा समाज का यह राम मंदिर है। इन तीनों मंदिरों में पुरातत्व विभाग ने मरम्मत एवं निर्माण का कार्य करवाया है, क्योंकि ये मंदिर पुरासम्पदा हैं। इसको सुन्दर बनाने एवं विस्तार व निर्माण हेतु नामदेव छीपा समाज के सहयोग की भी आवश्यकता है। यह सम्पदा श्री नामदेव छीपा समाज झालावाड़ की न होकर, समस्त नामदेव छीपा समाज की है, क्योंकि यह विश्व धरोहर जलदुर्ग परिसर से सम्बन्धित है। गांगरोन दुर्ग झालावाड़ शहर से मात्र पांच किलोमीटर की दूर पर स्थित है।

नोट - इस लेख में अधिकतम जानकारी झालावाड़ के इतिहास लेखक श्री ललित शर्मा की पुस्तक- 'गागरोनः इतिहास, पुरातत्व और पर्यटन' से उद्धृत की गई है।

- राधा बल्लभ पटवा

झालावाड़ मो. 9414489996

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

महत्वपूर्ण सूचना

यह बताते हुए हमें बड़ा हर्ष हो रहा है कि संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज के साहित्य को लेकर जिस पुस्तकालय (लायब्रेरी) और म्यूजियम की कल्पना हमने की थी उसके साकार होने का वक्त आ गया है. घुमान स्थित 'श्री नामदेव दरबार कमेटी' ने वहाँ पर इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए जगह देने का मन बना लिया है. अतः आप सभी भक्तजन और समाज के विद्वानों से हमारी अपील है कि जिस किसी के पास भी संत नामदेव जी महाराज से संबंधित कोई पुस्तक या अन्य प्रकार का कोई साहित्य हो तो वो हमें इस नंबर पर संपर्क करें.. 9323224034

- हेमंत वर्मा

❑❑

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं

चि. अक्षत अजमेरा

(कोटा) को C.A. बनने पर

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

गौत्र निषेध : अजमेरा, बंदीवाल, उदयवाल, बरग

जन्म स्थान : कोटा

अक्षत अजमेरा

DOB : 13-12-1997

चि. विहान अजमेरा

पौत्र के प्रथम जन्मोत्सव पर

हार्दिक बधाई एवं शुभ कामनाएं

दिव्य आशीष : स्व. श्री रामकिशन अजमेरा-स्व. मांगी बाई (दादा-दादी)

शुभेच्छु :

मुकेश अजमेरा-रेखा अजमेरा (पापा-मम्मी), कुणाल (एडवोकेट)-मिथलेश (भाई-भाभी) एवं

ननिहाल पक्ष :

श्रीमती भगवती बाई-स्व.श्री चन्द्र मोहन बंदीवाल (नानी-नाना), देवेन्द्र बंदीवाल-प्रीति, लोकेश

प्रतिष्ठान : मै. वैष्णवी बिल्डिंग मटेरियल एण्ड सप्लायर्स

अकलेरा (झालावाड़)

निवास : 1-र-15, दादाबाड़ी विस्तार, कोटा (राज.)

मो.: 9460677749, 9024243424

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं

कु. शिवांगी बघेरवाल

M.Tech (NIT) को कैरियर टेक्नोलॉजीज इंडिया लि. हैदराबाद (तेलंगाना) में सीनियर इंजीनियर के पद पर प्रति वर्ष पैकेज 20 लाख में चयनित होने तथा दो वर्ष का सेवाकाल पूर्ण करने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभ कामनाएं

शिवांगी बघेरवाल
DOB : 10-08-1998
M.Tech (ECE)

आदित्य बघेरवाल
B.Tech (C.S.)

अनिल बघेरवाल-श्रीमती शकुंतला

शुभेच्छु :

राजेन्द्र बघेरवाल-श्रीमती प्रेमलता (दादा-दादी)
अनिल बघेरवाल (उपाचार्य-GSSS शाहपुरा)-
श्रीमती शकुंतला (व. अध्यापिका-GGSSS शाहपुरा)(पापा-मम्मी), आदित्य, काव्य (अनुज)
बृजेश बघेरवाल (उपाचार्य-केन्द्रीय विद्यालय, जालंधर)-श्रीमती रीना,
राकेश बघेरवाल (CA, मुम्बई)-श्रीमती ख्याति (चाचा-चाची), डॉ. गिरिराज नाफड़िया-श्रीमती नीतू
(फूफाजी-बुआ) तनिषा, राजविका, जसविका (बहिन) एवं समस्त बघेरवाल परिवार।

निवास : बांडी मोहल्ला, छीपा मंदिर के पास, शाहपुरा (राज.)
मो.: 8875511777

नामदेव समाज के सम्बन्ध योग्य युवक

1. **अरविन्द** /22-05-93/5'-7''/ M.Com, CA (Final)/ प्राइवेट कं. में सर्विस / गौत्र- गंगवाल, भादरिया, मेड़तवाल, मारवाल / पता-बाबूलाल नामा, सवाई माधोपुर/ मो. 98233760639, 9461857904

2. **राहुल** / 16-10-97 / 5'-10''/ B.Tech. / प्राईवेट कंपनी में बैंगलोर में सर्विस / गौत्र -चित्तौड़ा, सामरिया, बलरिया, नाहर / पता- बाबूलाल चित्तौड़ा, **झालरापाटन** (राज.) / मो. 9664269940

3. **करन** /05-11-95/ 5'-8''/B.Com. / निजी ज्वैलरी शॉप / गौत्र- झड़िया, सोपरा, बघेरवाल, गंगवाल / पता- राजकुमार झड़िया, **रामगंजमंडी** (राज.) / मो. 9414284477, 9530223956

4. **मनीष** /22-11-98 / 5'-6''/ आंशिक मांगलिक / B.A. / कम्प्यूटर ऑपरेटर / फायर एण्ड सेफ्टी डिप्लोमा / आई.टी.आई./ बायलर अटेंडर / प्राइवेट सीमेन्ट कं. में सर्विस / गौत्र- धरावनिया, बंदीवाल, गंगवाल, बरग / पता- कमलेश नामा, श्री रामनगर, **कोटा** / मो. 9784451293

5. **वैभव** / 02-07-97 / 5'-10''/ B.Tech. / सॉफ्टवेयर इंजीनियर (गुड़गावां) / गौत्र- उदयवाल, बाकलीवाल, गोठानिया, चित्तौड़ा / पता- दिलीप उदयवाल, **कोटा** / मो. 9928618581

6. **राहुल** / 26-09-97 / 5'-6''/ B.Tech. (IT) / बैंगलोर में प्रा.कं. में सर्विस/गौत्र-उदयवाल, टटवाल, डरेल, बरग / पता- राकेश उदयवाल, महावीर नगर तृतीय, कोटा / मो. 9785773601, 9887895427

7. **अंकित कुमार** / 15-10-98/5'-6''/ BCA, ग्राफिक डिजाईनिंग / भीलवाड़ा में RCM कम्पनी में जॉब / गौत्र - समेलिया, मेड़तवाल, कासलीवाल, नईवाल / पता- दिनेश कुमार नामा, भीलवाड़ा (राज) / मो. 8740810341, 8209413556

8. **गजेन्द्र** / 05-12-96 / 5'-6''/ 11 वीं / प्राईवेट सर्विस / गौत्र- नागर, मेड़तवाल, आंछेरा, राईवाल / पता- नगेन्द्र नागर, **भीलवाड़ा** (राज.) / मो. 9982744838

9. **सुरेन्द्र** /5-6-89/5'-10''/M.A., B.Ed. / निजी व्यवसाय / इन्हीं के अनुज....

10. **कपिल**/ 5-11-92/ 5'-9''/**B.A., STC** / राजकीय अध्यापक / दोनों के गौत्र- कासलीवाल, मुल्तानिया, ढूंढाड़िया, दोसाया / पता- हेमन्त नामा (भ्राता), **मनोहरथाना** (राज.) / मो. 9001452753

11. **अंकुश** / 29-09-88 / 5'-5''/ B.Tech. (Electricals)/ A-क्लास सिविल कांट्रेक्टर / गौत्र- मारवाल, गोठानिया, मेड़तवाल, नईवाल / पता- सोहन लाल मारवाल, **कोटा** / मो. 9828137971

12. **सुनील कुमार** / 17-06-90/5'-7''/ 12 वीं / निजी दुकानदारी / गौत्र -मेड़तवाल, नईवाल, हथोनिया, माधोरिया / पता- पवन मेड़तवाल (भ्राता), मनोहरथाना (झालावाड़ -राज.) / मो. 7737164736

13. **यश** /27-04-97/ अर्किटेक्ट एण्ड इंटीरियर डिजाइनर / गौत्र- उज्जैनिया, गिरोठिया, कासलीवाल, पाण्डे / पता-अरविन्द उज्जैनिया, **भोपाल** / मो. 9425027602

14. **वैभव** / 22-03-96 / 5'-7" /B. Pharma, P.G. (Chemical Laboratory analysis)/ कनाडा में सर्विस / **गौत्र** -बघेरवाल, सांखला, सरसवाल, जोशी/ पता-राकेश आर्य, वडोदरा (गुजरात)/ मो. 9427539761, +14372462208 (वैभव)

15. **शुभम्** / 16-09-94 / 5'-8" / MA, STC / राजकीय अध्यापक / **गौत्र** -आसावलिया, बालेथा, सांखला, दोल्या/ पता- पुरूषोत्तम श्रेष्ठी, सीसवाली, (बारां-राज.)/ मो. 7073827042

16. **राहुल** / 17-02-98 / 5'-8"/ B.Sc. (Nursing) / कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर / **गौत्र**- बाकलीवाल, मालीवाल, नागर, तुनगर्या / पता- चिरंजीलाल बाकलीवाल, **केकड़ी** (राज.) / मो. 9829470911, 9950850191

17. **डॉ. निखिल** / 09-11-99/ 5'-4"/ MBBS / / **गौत्र** - बोल्या, नईवाल, गोठरवाल/ पता- पूरणमल छीपा, **थानागाजी** (अलवर-राज.) / मो. 9460604468, 8741868159

18. **दीपक**/ 06-05-94 / 5'-8"/ B.Tech. / ICICI बैंक में उपप्रबंधक / **गौत्र** - सरावगी, गड़िया, बंवलिया, आंछेरा / पता- घनश्याम नामा, **अजमेर**/ मो. **9784370597, 9251703218**

19. **गर्वित** / 21-05-95 / 5'-11"/ मांगलिक/ B.Tech. (इलेक्ट्रिकल्स एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स) / प्राइवेट कं. में सहायक प्रबंधक / **गौत्र**- नईवाल, गोठरवाल, उदयवाल, आंछेरा / पता- हेमंत कुमार नामदेव (सेवानिवृत्त अधिशाषी अभियन्ता RHB) रंगबाड़ी योजना, **कोटा** / मो. 9983321103

20. **निखिल** /12-06-95/ 5'-9"/ M.A. (मनोविज्ञान) / प्राईवेट कोचिंग संस्थान में मनोवैज्ञानिक / **गौत्र**- सरावगी, गोठरवाल, धनोपिया, अमरवाल / पता- कैलाश चंद सरावगी, ब्यावर (राज) / मो. 9352906981, 6367196175

21. **सोमेश**/ 08-11-97 / 5'-8"/ B. Tech. / IIOC मथुरा में ग्रेड-ए, अधिकरी (इले.इंजी.)/ **गौत्र** - सांडक्या, जेठानिया, झड़िया, पवांर / पता- पुरूषोत्तम जयपुरिया, **कोटा** / मो. 9529364619

22. **विवेक**/ 06-10-93 / 5'-8"/ **मांगलिक** / M.Com./ इन्हीं के अनुज.....

23. **तरूण** / 12-09-97 / 5'-3"/ B.A./ दोनों के **गौत्र**- गंगवाल, खींची, दलोदरा, कासलीवाल / पता- कमलेश नामदेव, **झालरापाटन** (राज.) / मो. 8690208658, 7737303514

24. **अश्विनी** / 22-07-91 / 5'-9"/ B.E. (C.S.)/ जर्मनी में सीनियर सॉफ्टवेयर डवलपर / **गौत्र** - शुक्ला, पटवा, जाजपुरा, बंदीवाल / पता- अशोक कुमार छीपा, मानसरोवर, **जयपुर** / मो. 9414783653

25. **भौमिक**/ 23-06-94/ 5'-11"/B.Tech. (E.I.C.) / निजी व्यवसाय / **गौत्र**- बाड़ीका, शुक्ला, नुवाल, तोनगरिया / पता- राकेश कुमार बाड़ीका, **रावतभाटा** (राज.) / मो. 9414185107, 823340016

26. **अनिरूद्ध** /07-08-95/6"/ M.Tech., MBA (अध्ययनरत)/ **गौत्र**- डिग्गीवाल, दोसाया, जोशी, नईवाल / पता- महेश डिग्गीवाल, **दौसा** (राज.) / मो. 9414770612, 9602371661

27. अक्षत अजमेरा / 13-12-1997 /6'-2" / CA/जयपुर सी.ए. फर्म में कार्यरत / गौत्र- अजमेरा, उदयवाल, बरग, बंदीवाल / पता- मुकेश अजमेरा, 1-र-15, दादाबाड़ी विस्तार, कोटा/ मो. 9460677749, 9024243424

28. वैभव /26-2-96/ 5'-3"/ विधुर / B.Tech (Civil) / प्रा. कं. में सिविल इंजीनियर / मांगलिक/ गौत्र- पीलीवाल, सरावगी, नागर, बंदीवाल/ पता- श्रीमती समता पीलीवाल (माता), किशनगढ़ (अजमेर) / मो. 8769842640

29. भानु प्रकाश/ 15-11-91/ तलाकशुदा / M.Com., B.Ed., MBA, PGDB / राजकीय सेवा में कनिष्ठ सहायक / गौत्र- बाकलीवाल, कनेशरा, झाड़िया, सुरागी, / पता- रामकुमार छीपा, बकानी (झालावाड़)/ मो. 9413805114, 7415986352

30. प्रतीक/ 03-08-98/ 5' 11"/ B.Tech. (CS) / जयपुर में प्रा. कं. में सर्विस / गौत्र- गड्या, गोठरवाल, सुमेरिया, ऐंछरा / पता- उमाकांत नामा, टोंक / मो. 9887804452

31. उत्कर्ष /24-10-97/ 5'-11"/ MCA/ MNC में वेब डवलपर/ गौत्र- निर्वाणिया, सामरिया, वर्ग, बघेरवाल / पता- अरविन्द कुमार, वैशाली नगर, जयपुर / मो. 9414447632

[कविता ...]

आगे कदम बढ़ाना है

तुम नामदेव के बच्चे हो, तुम्हें ऐसा कर दिखलाना है,
लहरों से साहिल को ढुंढो, नहीं तुफां से घबराना है,
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हें आगे बढ़ते जाना है।

मारा-मारी की दुनिया में, सुख-चैन तुम्हें देना होगा,
दु:ख के झंझावातों में, सुख-सावन बरसाना होगा,
उजड़े मंजर में फिर से, फूलो को हर्षाना होगा,
आश्वस्त करो उस पीढ़ी को,
तुम्हें जिसका कर्ज चुकाना है ।
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हें....

देखों कहीं अटक मत जाना, माया के बाद-विवादों में,
कितनी मुश्किल बाधायें हो, पक्के रहना इरादों में।
खरा उतरना है वीरों, करनी-कथनी के वादों में,
मन के तप से संताप मिटा, तुम्हें दैवी इतिहास जगाना है।
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हे....

नामदेव की सेना के नायक, तुम नवभारत के शिल्पकार
हे साथ स्वयं भगवान तुम्हारे, करते नव ऊर्जा संचार,
तुम आँख उठाके देखो तो, आगे-पीछे लम्बी कतार,
हर शख्स भले बेगाना हो, पर तुमको साथ निभाना है।
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हे....

हर मंजिल दस्तक देती है, पुरूषार्थ की उत्तम रेखा पर,
तकदीर बदलती है, सत्कर्मों की अभिलेखा पर,
मनको भारी मत करना, तुम्हें जग का भार उठाना है।
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हे....

नहीं शेर ढूंढा करते, पदचिन्हों में अपने पथ को,
आवाज नहीं माँगा करते, कभी किसी की रहमत को,
हो तुम नामदेव के प्रिय प्रतिनिधि,
खुद में यह भाव जगाना है।
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हे....

– मेजर जे.पी. वर्मा
बड़ौदा (गुजरात)

नामदेव समाज की सम्बन्ध योग्य युवतियाँ

1. **प्रशस्ति** / 03-10-97 / 5'-6''/ M.Tech. / रक्षा अनुसंधान संगठन (DRDO) भारत सरकार हैदराबाद में वैज्ञानिक / **गौत्र** - बंदीवाल, सामरिया, पीलिया, सरथलिया / **पता**- नीलकंठ नामा, रजतगह बूंदी/ मो. 9214695625

2. **डॉ. पलक** /25-08-96/ 5'-3''/ BDS / कोटा में प्राइवेट हॉस्पिटल में प्रेक्टिस/ **गौत्र**- चित्तौड़ा, सोपरा, पटवा, गोठरवाल / **पता**- राजेन्द्र चित्तौड़ा, **कोटा** /मो. 9998957073, 9662052073

3. **डॉ. दीक्षा कुमारी** /03-03-95/5'-2''/ MBBS, MS (General Surgery - Running) / **गौत्र**- मेड़तवाल, नाफड़िया, जाजपुरा, जोशी / **पता**- विनोद कुमार नामा (व्याख्याता) **नैनवां** (जिला बूंदी) (राज.) / मो. 9460033097

4. **ऋषिता** /08-03-98/ 5'-5''/ B.Tech./ प्रा. कं. में सॉफ्टवेयर इंजीनियर / **गौत्र**- टटवाल, नुवाल, झड़िया, गंगवाल / **पता**- श्रीमती नंदिता टटवाल पत्नि स्व. श्री मूलचंद टटवाल, सवाई माधोपुर / मो. 9414276788 (राजीव), 9887147866 (नंदिता)

5. **जागृति** /28-10-98/5'-6''/मांगलिक/ B.Tech. (Civil)/ SBI में असिस्टेन्ट पद पर कार्यरत / **गौत्र**- पंवार, टांडी, भाटी, नैनीवाल / **पता** - लोकेश पंवार, **जयपुर**/ मो.9460772424, 9414701983

6. **आंचल**/ 26-12-95 / 5'-9''/ B.Sc.(C.S.)/ भारतीय वायु सेना में फ्लाइट लेफ्टीनेंट /**गौत्र**-गंगवाल, बड़सोलिया, बाकलीवाल / **पता**- सुरेश गंगवाल, नीमच, (म.प्र.) / मो. 9893751337

7. **मेघा** / 01-06-94 / MBA, MA (Yoga) / **गौत्र**- उज्जैनिया गिरोठिया, कुंजीवाल, बाड़ीका / **पता**- गेंदालाल उज्जैनिया, **विदिशा**/ मो. 8109491059

8. **महक** /14-01-2001/ B.E.(CS) / **गौत्र**- उज्जैनिया, गिरोठिया, बघेरवाल, मेड़तवाल / **पता**- अनिल कुमार उज्जैनिया, **विदिशा** / **मो.** 9993820455

9. **सलोनी** /13-06-97 / M.Com., PGDCA / **गौत्र**- सोपरा, उज्जैनिया, नागर / **पता**- अशोक कुमार सोपरा, **विदिशा** / **मो.** 7987423813

10. **आयुषी** / 13-08-90 / 5'-6''/ M. Design-Graphic Design / प्राइवेट कं. में सर्विस / **गौत्र** - मेड़तवाल, नागर, बोलिया / **पता**- सुरेश मेड़तवाल, जयपुर / मो. 8209406365

11. **शिल्पा** / 23-11-92 / 5'-4''/ **B.Tech. (ECE)** / डिजिटल मार्केटिंग (फ्रीलांसर) / **गौत्र**- पीलिया, बांदरसिंदरिया, बंदीवाल, गोठानिया / **पता**- तेजकरण नामा, **कोटा** (राज.) / मो. 9460813471

12. **श्रेया** / 14-04-92 / 5'-2''/ मांगलिक / B.Tech. (C.S.) /पुणे में सॉफ्टवेयर डवलपर / **गौत्र**- मारवाल, तोनगर्या, आसरमा, मंडीवाल / **पता**- ओम प्रकाश नामा, जय हिन्द नगर, **कोटा** / 9660772918

13. **स्वाति** / 24-03-96/ 5',3"/ B.Sc. B.Ed. / सरकारी स्कूल में कनिष्ठ सहायक (LDC) / **गौत्र**- उद्यवाल, मालीवाल, मेड़तवाल, आसावलिया / **पता** - रामगोपाल नामा, महावीर नगर विस्तार योजना, **कोटा** / मो. 9460681464

समस्त नामदेव छीपा समाज बन्धुओं को
हिन्दू नव वर्ष वि.सं.2081 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मै. न्यू महाकाल कृषि सेवा केन्द्र

कृषि उपज मण्डी के सामने, एम.जी. रोड़, सोनकच्छ (देवास)

उत्तम क्वालिटी के बीज एवं सभी प्रकार
की कीटनाशक दवाईयों के अधिकृत विक्रेता
सोनकच्छ (देवास)

कमल किशोर नामदेव-श्रीमती मधुलता
अध्यक्ष-श्री वैष्णव क्षत्रीय नामदेव छीपा समाज
सोनकच्छ (देवास)

मै. राजमल नरसिंह (वीर बालक छाप बीड़ी के निर्माता) सोनकच्छ

प्रो. मिट्ठूलाल नामदेव

शुभेच्छु :

मिट्ठूलाल, नन्दकिशोर, हरिभाऊ, गोवर्धनलाल (भ्रातागण)
अजय (बैंक मैनेजर-HDFC बैंक, खातेगांव)-श्रीमती मोनिका
मनीष (बैंक मैनेजर-इंडसइंड बैंक, देवास)-श्रीमती स्वाति (पुत्र-पुत्रवधु
श्रीमती ईषिता-श्री स्वप्निल बंदीवाल (अजमेर) (पुत्री-दामाद)
चन्द्रमौली (पौत्र), कु. रिद्धि (पौत्री) एवं समस्त जेठानिया परिवार
ससुराल पक्ष - श्री लक्ष्मीनारायण दोलिया-श्रीमती आशालता (हरनावदा शाहजी)

सम्प्रति : मधुबन, 3/19, राजेन्द्र मार्ग, सोनकच्छ (देवास-म.प्र.)
सम्पर्क : 9425988907, 6265153305

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

Scientist प्रशस्ति नामा

DOB : 03-10-1997
B.Tech, M.Tech (C.S.)
रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन
(DRDO) भारत सरकार
हैदराबाद में Scientist के पद पर
नियुक्त होने पर तथा इन्हीं की बहन

इंजी. प्रांजल नामा

DOB : 18-02-2001
B.Tech, (C.S.)
Accenture Company बैंगलुरू
में Software Engineer के पद पर
नियुक्त होने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

दिव्य शुभाशीष : स्व. श्री ओंकार लाल नामा–स्व.श्रीमती संतोष सरथलिया (दादा–दादी)

निशित नामा
12th

शुभेच्छु :

नीलकंठ नामा Sr. Teacher Eng.
सुनीता नामा Sr. Teacher Eng.
पिता–माता

सम्प्रति : 'उमंग' 187, रजतगृह कॉलोनी, गेट नं. 4, बून्दी (राज.)
सम्पर्क : 9214695625, 9460026161

14. **दीक्षा** / 25-09-99/ 5'-1"/ M.Sc. / (केमेस्ट्री) / कोचिंग टीचर /इन्हीं की बहिन....

15. **निकिता** / 18-06-2001/ 5'-3"/ B. Pharma / दोनों के गौत्र- जेठानिया, डेलीवाल, बंदीवाल, गोठरवाल / पता - किशन गोपाल नामा, छावनी, **कोटा** / मो. 9829379014, 9460988914

16. **डॉ. खुशी** / 23-12-98/ 5'-7"/ BDS / गौत्र- डिग्गीवाल, दोसाया, जोशी, नईवाल / पता - महेश डिग्गीवाल, **दौसा** (राज.) / मो. 9414770612

17. **भूमिका** / 20-07-97/ 5'-4"/ B. Tech. (E.C.)/ प्राईवेट जॉब / गौत्र- शुकल्या, सामरिया, जाजपुरा, मेहरावदिया / पता - शशि मोहन छीपा, **जयपुर** / मो. 9588854166

18. **सुरभि** / 30-08-95/ 5'-3"/ M.A./ सरकारी वेटनरी कम्पाउण्डर / गौत्र- आसावलिया, बालेथा, सांखला, दोल्या / पता - पुरूषोत्तम श्रेष्ठी, सीसवाली (बारां-राज.) / मो. 7073827042

19. **प्रांशुल** / 08-03-2000/ 5'-2"/ B.Sc., Dl., Ed. / मांगलिक / गौत्र- जोशी, गंगवाल, चित्तौड़ा बलरिया / पता - महेश जोशी, **झालरापाटन** (राज.) / मो. 9414228035, 7737571623

20. **खुशबू अजय कुमार** / 19-01-99/ 5'-4"/ B.Com., LL.B./ लॉ प्रेक्टिम / गौत्र- बोल्या, नईवाल, गड़िया, डीडोत / पता - अजय कुमार खैरातीलाल वर्मा, **अहमदाबाद** / (ललित मोहन छीपा) मो. 820979149, (नानाजी सांगानेर, जयपुर) 8799654897

21. **भावना** / 03-05-91/ 5'-6"/ मांगलिक/ परित्यक्ता / M.A., B.Ed. / सरकारी अध्यापिका/ गौत्र- नरवाण, गुजरानिया, गंगवाल, मारवाल/ पता- भानु प्रताप नरवाण, **मालपुरा** (टोंक-राज.)/ मो. 9828053019

22. **शिवानी** / 03-09-94/ 5'-5"/ M.Com., CA (इंटर्नशिप) / गौत्र- जेठानिया, चिचोतिया, खींची, गोठरवाल / पता- हरीश चन्द्र नामा, महावीर नगर विस्तार, **कोटा**/ मो. 9829780540, 8947949494

23. **सोनल**/ 10-07-97/ 5'-3"/ MBA (H.R. Marketing), / गौत्र- दूनीवाल, धनोपिया, मेड़तवाल, बोल्या / पता- कमल चौहान, झोटवाड़ा, **जयपुर**/ मो. 9460186099

24. **श्रुति** / 22-04-96/ 5'-5"/ आंशिक मांगलिक/ B. Tech. (इलेक्ट्रिकल्स), M.A. (इंगलिश), जर्मन व स्पेनिश भाषा ज्ञान/ गौत्र- नाहर, सरावगी, मेड़तवाल, सोरनिया / पता- शुद्धोधन नाहर, **कोटा** / मो. 9413097762

25. **हिमानी** / 14-11-98/ 5'-2"/ M.A., B.Ed./ मांगलिक / गौत्र- गोठरवाल, घूमस, बांदरसंदरा, नागर/ पता- राजेन्द्र कुमार छीपी, **वैर** (भरतपुर) / मो. 9785019818

26. **शिवांगी** / 10-08-98/ 5'-5"/ M.Tech. (E.C.)/ प्राइवेट कं. में सीनियर इंजीनियर/ गौत्र- बघेरवाल, तोनगर्या, नागर, तलाइच / पता- अनिल बघेरवाल, शाहपुरा (राज.)/ मो. 8875511777

27. **यामिनी** / 23-02-95 / 5'-1"/आंशिक मांगलिक / B.Sc. (C.S.) MBA (Finance) /SBI बैंक में P.O. / गौत्र - नरड़िया, आसरमा, चित्तौड़ा, रायथलिया / पता- राजेन्द्र नामदेव, **शाजापुर** (म. प्र.)/ मो. 9179964454, 7000226891

28. **आंचल** /15-08-98/ 5'-3"/ B. Com., MBA / बिजनेस एनालिस्ट / गौत्र- पटवा, तुनगर्या, बाकलीवाल, डिग्गीवाल / पता- श्रीमती दीपा पटवा, **अजमेर** / मो. 9829124125, 9636013649

अ.भा. श्री नामदेव छीपा महासभा समिति (मु.) कोटा

सांगानेर में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

सांगानेर (जयपुर) अ.भा.श्री नामदेव छीपा महासभा समिति की कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 24 फरवरी 2024 को सांगानेर जयपुर में मंदिर श्री सीताराम जी ट्रस्ट के सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री श्रीराम सोपरा ने की, मुख्य अतिथि महासभा समिति के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मोहनलाल छीपा (मुख्य संरक्षक) थे। बैठक में मंचासीन पदाधिकारियों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मोहनलाल गोठरवाल (इंदौर), उपाध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद श्रेष्ठी (कोटा), कोषाध्यक्ष श्री रामचरण आमेरिया (कोटा), दिल्ली के प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश नामा, हरियाणा के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बृजमोहन छीपी (नारनौल), उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री श्री किशन सिंह राजपूत (मथुरा), श्री गंगा प्रसाद दुलारिया (नागपुर), श्री महेश वर्मा (मुंबई), महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. भानुमति गुजरानिया एवं जयपुर जिला हितकारिणी अध्यक्ष श्री अटल बिहारी दूनीवाल थे।

बैठक के शुभारंभ में मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। बैठक का संचालन महामंत्री श्री हनुमान सहाय जाजपुरा द्वारा किया गया। महामंत्री द्वारा महासभा के गौरवशाली इतिहास एवं महासभा की कार्य योजना की जानकारी दी गई।

कार्यकारिणी बैठक में उपस्थित एवं मंचासीन अतिथियों का सम्मान डॉ. श्याम सुंदर शुक्ला (उपाध्यक्ष), श्री अवधेश कुमार पांडे (महामंत्री) अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति, श्री अटल बिहारी दूनीवाल (जयपुर जिला अध्यक्ष), डॉ. कुलदीप बोलिया (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), श्री मनोज कुमार छीपी (महामंत्री), श्री राजेंद्र तोणगरिया (कोषाध्यक्ष), श्री नामदेव छीपा समाज जिला हितकारिणी समिति जयपुर द्वारा प्रतीक चिन्ह, दुपट्टा एवं मोतियों की माला पहनाकर तथा संत शिरोमणि श्री नामदेव जी का चित्रपट भेट कर किया। बैठक की कार्य सूची अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीराम सोपारा ने बैठक में पधारे सभी समाज बंधुओ का शाब्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सामाजिक एकता, संगठन, शिक्षा, रोजगार व संस्कार पर जोर दिया।

उन्होंने कहा समाज और संगठन तभी मजबूत हो सकता है जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर उसका हाथ थाम कर चले। सौहार्दपूर्ण वातावरण हो एक दूसरे के प्रति विश्वास एवं सद्भावना के साथ कार्य करें। हमें समाज की एकता और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करना है। इस हेतु सभी सदस्यों को सामूहिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने हेतु आग्रह किया।

श्रीराम सोपरा ने महासभा के मुख्य उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक राज्य में संगठनों को मजबूत एवं सक्रिय बनाया जाएगा

कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को राज्य प्रभारी नियुक्त कर राज्यों का प्रभार सौंपा जा रहा है। राज्य प्रभारी तहसील, जिला संभाग एवं प्रांतीय संगठनों को राष्ट्रीय इकाई से जोड़ने के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि महासभा के वार्षिक कैलेंडर को सभी प्रान्तों में समान रूप से लागू करने का प्रयास होगा। समाज के शिक्षित होने से, समाज का शैक्षणिक और सामाजिक स्तर पर उत्थान हुआ है, परंतु इसके साथ विवाह योग्य युवक-युवतियों का समय पर विवाह न करने से उचित संबंध मिलने की कठिनाई आ रही है, और विवाह योग्य नवयुवक युवतियां अंतरजातीय विवाह के लिए मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने सामाजिक संस्कारों पर भी जोर दिया। राष्ट्रीय स्तर पर छीपा समाज की जनगणना कराने हेतु तथा समाज को सामाजिक कुरीतियों से मुक्त करने के लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है, जिस पर आप सभी के सुझाव आमंत्रित है।

बैठक में महामंत्री श्री अवधेश पांडे ने महासभा द्वारा विगत एक वर्ष में किए गए कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने नूतन वर्ष 2024-25 के आयोजनों तथा समाज उपयोगी कार्यक्रमों की जानकारी दी। महासभा कोषाध्यक्ष श्री रामचरण आमेरिया ने महासभा एवं श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका के वर्ष 2022-23 का अंकेक्षक द्वारा ऑडिटेड आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया और बैलेंस शीट भी पढ़कर सुनाई जिसे सदन में सर्व सम्मति से पारित किया गया।

मुख्य संरक्षक डॉ. मोहनलाल छीपा ने जानकारी दी कि आज हमारा समाज हर दिशा में आगे बढ़ रहा है, राष्ट्रीय कार्यकारिणी प्रांतीय महासभा के साथ समन्वय के साथ कार्य करें जो समाज हित में विकास की दृष्टि से आवश्यक है। समाज की विभिन्न खापों के मध्य संबंध बिठाने हेतु बहुत अधिक प्रवास किए गए हैं जिसके हमें सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं तथा हमे अभी आगे भी प्रयास करते रहना होगा जिससे हमारे समाज को भी ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले। समाज की विभिन्न खापों के साथ तालमेल, समरसता एवं सामंजस्य की भावना से ही नामदेव समाज उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। युवा एवं महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं को आगे लाने की सख्त आवश्यकता है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों के विवादों के निस्तारण हेतु राष्ट्रीय महासभा प्रांतीय महासभा के साथ ही कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओ की प्रमुख भूमिका विवाद निस्तारण में निभाने हेतु अपील की। पद लेना लेकिन कार्य नहीं करना वर्तमान सामाजिक व्यवस्था की गंभीर समस्या है। सभी पदाधिकारियों को क्षमता के अनुसार कार्य भार दिया जाए। उन्होंने बताया कार्यकर्ताओं के लिए चार गुण आवश्यक है, पांव में चक्कर, मुंह में शक्कर, सीने में आग और माथे पर बर्फ। यह चार गुण कार्यकर्ताओं को आत्मसात करने चाहिए। हम अपने आत्मबल से जीवन में कठिन से कठिन लक्ष्य भी प्राप्त कर सकते हैं।

बैठक में उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री श्री किशन सिंह राजपूत ने उत्तर प्रदेश में हो रही गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय महासभा के तत्वावधान में प्रांतीय महासभा समाजोत्थान के लिए समर्पित है। विभिन्न कार्यक्रमों

के माध्यम से समाज बंधुओ को संगठित बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

बैठक में श्री मोहनलाल गोठरवाल (इंदौर), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने बताया कि मध्य प्रदेश में समय-समय पर सामाजिक कार्यक्रम विशिष्ट कार्यशैली के तहत किए जाते रहे हैं, जिससे समाज में मेल मिलाप की भावना बढ़ रही है, आपसी सामंजस्य मजबूत हो रहा है। उन्होंने युवा परिषद की भूमिका की सराहना की।

बैठक में हरियाणा के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बृजमोहन छीपी (नारनौल) ने हरियाणा में किये जा रहे सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। हरियाणा के अनेक जिलों में जिला कार्यकारिणियां गठित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि नामदेव जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। श्री छीपी ने राष्ट्रीय महासभा के तत्वावधान में आगामी राष्ट्रीय बैठक हरियाणा में करने का आग्रह भी किया, जिसे महासभा द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान की गई। इस मौके पर उन्होंने अपनी ओर से 5100 की राशि प्रदान करने की घोषणा भी की।

बैठक में मुंबई महाराष्ट्र के प्रांतीय संयोजक श्री महेश वर्मा ने शीघ्र ही महाराष्ट्र प्रदेश की प्रांतीय इकाई गठित करने हेतु आश्वस्त किया। उन्होंने मुंबई में महिला संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने मृत्यु भोज के अवसर पर उपहार वितरण की कुरूति की निंदा करते हुए इसे बंद करने पर जोर दिया। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद श्रेष्ठी ने कोटा में संचालित नामा बैंक की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए समाज की आर्थिक उन्नति के लिए सभी प्रान्तों में जिला स्तर पर नामा बैंक गठित करने पर जोर दिया। श्री श्रेष्ठी ने झाड़ोती में हो रहे विकास कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। साथ ही पत्रिका संचालन व्यवस्था की जानकारी दी।

बैठक में श्री गंगाप्रसाद दुलारिया (नागपुर) ने कहा कि छीपा समाज की सभी खापों को मिलकर एक बड़ा संगठन खड़ा करना चाहिए। सभी खापों में आपसी वैवाहिकी संबंध भी होने चाहिए। बैठक में विभिन्न प्रकोष्ठ संयोजकों ने अपने-अपने प्रकोष्ठों की प्रगति की जानकारी दी तथा प्रकोष्ठ में कार्य करने वाले सदस्यों की सूची की जानकारी प्रदान की गई। महामंत्री हनुमान सहाय जाजपुरा द्वारा सभी प्रकोष्ठ संयोजकों को अपनी सक्रिय भूमिका हेतु अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करा कर एवं महासभा के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाने हेतु निर्देशित किया गया। महिला प्रकोष्ठ संयोजिका डॉ. भानुमति गुजरानिया ने महिला प्रकोष्ठ की जानकारी दी। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों एवं बच्चियों की परवरिश समानता के आधार पर हो। सामाजिक संस्कारों के साथ जीवन संवारे। उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु व्यावसायिक तकनीकी सेवा क्षेत्र में प्रशिक्षण दिलवाएं। मीडिया एवं तकनीकी प्रबंधन प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र जै आजाद ने वर्तमान सदी को कंप्यूटर की सदी बताते हुए कहा कि वर्तमान कंप्यूटर के इस युग में आम आदमी को काफी बौना बना दिया है। सोशल मीडिया की ताकत के बारे में बताते हुए कहा कि सोशल मीडिया के अप्रत्याशित फायदे हैं तो साथ ही इसके कई दुष्परिणाम भी सामने आते रहे हैं।

जयपुर : अखिल भारतीय नामदेव छीपा महासभा समिति कार्यकारिणी की बैठक – दि. 25-02-2024

दिल्ली : कोटा संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष श्रीमान ओम बिरला की पहल पर छीपा समाज बंधुओं की दिल्ली में संसद भवन, राष्ट्रपति भवन एवं प्रधानमंत्री संग्रहालय की अवलोकन यात्रा की झलकियां – दि. 25-07-2023

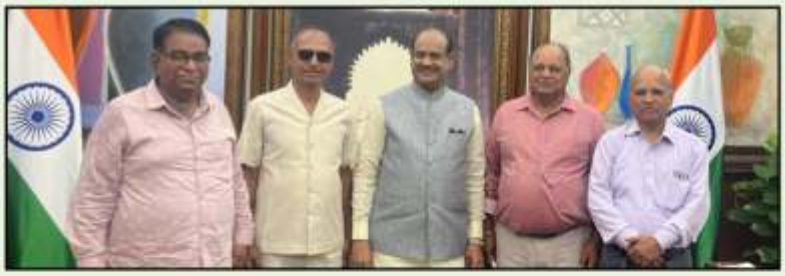

कोटा : आदर्श सामूहिक विवाह समारोह एवं चित्र प्रदर्शनी –दि. 23–11–2023

मथुरा : प्रतिभा सम्मान समारोह –दि. 29–10–2023

उदयपुर : आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन –दि. 23–11–2023

झालावाड़ : जिला विकास संस्था – निर्वाचन एवं शपथ ग्रहण –दि. 02–07–2023

झालावाड़ : गागरोन दुर्ग स्थित छीपा समाज के प्राचीन देवालय की झलकियां

कोटा : नामा बैंक की आमसभा एवं शपथ ग्रहण समारोह

दि. 20–08–2023 दि. 08–10–2023

जयपुर : जिला प्रतिभा सम्मान समारोह –दि. 17–09–2023

कोटा : अ.भा. वैवाहिकी परिचय सम्मेलन –दि. 29–10–2023

कोटा : आदर्श सामूहिक विवाह योजना के जनक नामदेव छीपा समाज हाड़ौती क्षेत्र कोटा संभागीय संस्था को प्राप्त प्रशासनिक सम्मान –दि. 15–08–2023

कोटा : बोरखेड़ा पंचायत का होली मिलन समारोह –दि. 29–03–2024

भोपाल : वैवाहिकी परिचय सम्मेलन –दि. 10-03-2024

सूरत : संत नामदेव का संजीवन समाधि महोत्सव –दि. 15-07-2023

कांकरोली : ज्ञानोदय दिवस पर आयोजित समारोह –दि. 14-02-2024

मुंबई : महिला मण्डल द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह मिलन, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा गतिविधियां – दि. 25-06-2023

गुजरात प्रान्तीय महासभा की बैठक – दि. 08–10–2023

कोटा : केशवपुरा पंचायत का होली मिलन समारोह – दि. 07-04-2024

जयपुर : प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर। श्री नामदेव छीपा समाज जिला हितकारिणी समिति जयपुर का प्रतिभा सम्मान समारोह 17 सितम्बर 2023 को राज्य कृषि प्रबंध संस्थान दुर्गापुरा के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भामाशाह श्री सुरेश मेड़तवाल रहे। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अटल बिहारी दूनीवाल ने की। अतिथियों ने श्री नामदेव जी के चित्रपट पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

अति विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति कोटा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीराम सोपरा व हिमाचल प्रदेश के लोकायुक्त न्यायमूर्ति चन्द्र भूषण बरोलिया ने समाज की दिशा एवं दशा के संबंध में उद्‌बोधन दिया। इसरो वैज्ञानिक रवि कुमार वर्मा ने चन्द्रयान मिशन-3 के अपने अनुभवों के बारे में बताया। साथ ही विज्ञान के संबंध में समाज को होने वाले लाभों से रूबरू करवाया। समारोह में 160 प्रतिभावन छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र. एवं पदक देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री घनश्याम वर्मा, उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद श्रेष्ठी, डॉ. भानुमति गुजरानिया (महिला प्रकोष्ठ संयोजिका), हनुमान सहाय जाजपुरा (राष्ट्रीय महासचिव), अवधेश कुमार पांडे (राष्ट्रीय महासचिव), श्री कल्याण जोशी (राष्ट्रपति पदक पुरस्कार विजेता फड़ पेंटिंग शाहपुरा-भीलवाड़ा) रहे। समिति के महामंत्री मनोज कुमार छीपा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा जयपुर जिले के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता दी जाती है।

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

महासभा कार्यकारिणी बैठक के दौरान ही नवनियुक्त दूदू जिला संयोजक श्री राजेंद्र धनोपिया एवं कोटपूतली बहरोड जिला अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर तोंनगरिया का स्वागत कर परिचय करवाया गया। बैठक में श्री धर्मेंद्र गंगवाल, प्रांतीय युवा परिषद के अध्यक्ष द्वारा सदन में श्री मुकेश नामा (विक्की) को राजस्थान प्रांतीय युवा परिषद के अध्यक्ष का पद भार देने का आग्रह किया, जिसे सर्वसम्मति से सदन द्वारा अनुमोदन किया गया । जयपुर जिला युवा संगठन हेतु श्री मनोज कुमार जरथल के नाम का प्रस्ताव किया गया जिसे भी सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी श्री छैल बिहारी दूनीवाल (जयपुर), श्री रामकिशोर डेरावाला (बगरू), श्री नवलकिशोर खण्डेलवाल (कोटा) आदि को भी उपरना पहनाकर तथा नामदेव जी का चित्रपट भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर श्री लक्ष्मी चंद अजमेरा, श्री हेमंत नामदेव, श्री राजकुमार गोठरवाल, श्री धर्मेंद्र गंगवाल ने भी अपने अपने विचार प्रकट किये। अंत में महामंत्री एवं संचालनकर्ता हनुमान सहाय जाजपुरा एवं महामंत्री अवधेश पांडे का डॉ. मोहनलाल छीपा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीराम सोपरा द्वारा स्वागत किया गया। श्री अटल बिहारी दूनीवाल द्वारा धन्यवाद प्रेषित कर बैठक समापन की घोषणा की गई।

– हनुमान सहाय जाजपुरा (बगरू), महामंत्री

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

गुजरात: प्रांतीय महासभा की बैठक सम्पन्न

सामाजिक विषयों पर हुआ गहन चिंतन-मनन

अहमदाबाद। श्री नामदेव छीपा समाज गुजरात प्रांतीय महासभा अहमदाबाद की कार्यकारिणी की मीटिंग दिनांक 08/10/2023 (रविवार) को संस्था के भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. श्री भगवानदास दास सामरिया के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई, जिसमें संस्था के सभी सदस्य, पदाधिकारी एवं नए सदस्य उपस्थित रहे। सर्वप्रथम भगवान श्री लक्ष्मीनारायण, संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज एवं भारत माता की जय घोष के साथ बैठक प्रारंभ हुई।

वरिष्ठ समाजसेवी एवं संस्था के भूतपूर्व सदस्य स्व. श्री राधेश्यामजी सामरिया को दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। मीटिंग में उपस्थित सभी महानुभावों, विधवा सहाय के मुख्य भामाशाहों, समाजसेवी श्री ब्रिजमोहन सामरिया, श्री भरतभाई सामरिया एवं अन्य समाज सेवियों का माल्यार्पण कर एवं अन्यसदस्यों का पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया गया। विधवा सहाय के प्रमुख भामाशाह श्री कमलेश रामप्रसाद धनोपिया व्यस्तता के कारण मीटिंग में उपस्थित नहीं होने से शब्द सुमनों द्वारा आभार प्रगट किया गया।

विधवा सहाय योजना के प्रभारी श्री राजेश डरोल ने संस्थान द्वारा चलाई जा रही विधवा सहायता योजना के 11 साल पूर्ण होने पर जिन-जिन सदस्यों का इस फंड में योगदान है, उन सभी सदस्यों, पदाधिकारियों एवं भामाशाओं का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक आभार प्रकट किया। आगामी सत्र के फंड की राशि एकत्रीकरण के कार्य में सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर योगदान दिया और सभी के सहयोग से अभी तक सर्वाधिक 6 लाख के आसपास फंड एकत्रित हुआ। कोषाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश राजपूत ने वित्तीय वर्ष 2021-22 तथा 2022-23 का सी.ए. द्वारा ऑडिटेड हिसाब प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से मंजूर किया गया। बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन पर प्रांतीय अध्यक्ष मेजर जे.पी. वर्मा, प्रांतीय महामंत्री ओमप्रकाश भावसार एवं उपस्थिति सभी सदस्यों ने हार्दिक अभिनन्दन किया।

प्रांतीय अध्यक्ष मेजर जे.पी. वर्मा ने जयपुर में सम्पन्न नामदेव टांक-दर्जी एवं छीपा जाति की महापंचायत पर चर्चा की और समाज के सदस्यों से तीनों खापों को एकजुट होकर आगे बढ़ाना चाहिए या नहीं, इस विषय पर राय मांगी। इस पर उपस्थित सभी सदस्यों ने अपना समर्थन दिया। इस विषय पर प्रांतीय महामंत्री श्री ओम प्रकाश ने नामदेव वंशियों की चारों खापों की पूरे भारत में आबादी करीब दो करोड़ के ऊपर होने की संभावना बताई, लेकिन एक मंच पर संगठित नहीं होने से पूरे भारत में हम लोग अलग-अलग जातिगत नामों से बिखरे हुए है। इसकी वजह से हम अभी तक देश व राज्यों में अपना राजकीय नेतृत्व नहीं बना पा रहे हैं। सरकार की तरफ से सामाजिक कल्याण के लिए घोषित योजनाओं तथा शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक लाभों से वंचित रहे हैं। गुजरात राज्य की ओबीसी जाति की सूची में भी अभी तक छीपा जाति को समाविष्ट नहीं किया गया है। यह एक सबसे बड़ा दृष्टांत है। इसके लिए सभी नामदेव वंशियों को एक जुट होकर पूर्ण रूप से संगठित होकर एकता दिखाने का समय आ गया है। इन सभी बातों का उपस्थित सभी सदस्यों ने समर्थन किया।

विधि एवं न्याय प्रकोष्ठ के अंतर्गत चर्चा करते हुए महामंत्री ओमप्रकाश भावसार द्वारा समाज में चल रही समस्याओं एवं वर्तमान समय में घटित हो रही विभिन्न घटनाओं जैसे घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, शादी विच्छेदन की संख्या में वृद्धि जैसे मामलों पर गहरी

कोटा : नामदेव छीपा बंधुओं ने किया राष्ट्रपति भवन का अवलोकन

कोटा संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम कृष्ण बिरला का नामदेव छीपा समाज के प्रति लगाव और जुड़ाव होने के कारण दिनांक 25 जुलाई 2023 को समाज के एक प्रतिनिधिमंडल को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के महत्वपूर्ण राजकीय भवनों का प्रत्यक्ष रूप से अवलोकन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

नामदेव युवा संगठन कोटा के जिलाध्यक्ष श्री मुकेश नामा (विक्की) के समन्वयन से समाज के हाड़ौती, जयपुर एवं दिल्ली के 58 समाज बन्धुओं एवं भगिनियों ने संसद भवन, लोकसभा की कार्यवाही, प्रधानमंत्री संग्रहालय, त्रिमूर्ति भवन तथा राष्ट्रपति भवन का अवलोकन किया। इस मौके पर श्री बिरला से उनके कार्यालय भवन में प्रतिनिधि मंडल की शिष्टाचार भेंट हुई तथा सभी के साथ फोटो सेशन भी हुआ। प्रतिनिधि मंडल में अ.भा. श्री नामदेव छीपा महासभा के अध्यक्ष श्रीराम सोपरा सहित राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अनेक पदाधिकारी, प्रकोष्ठों के संयोजक बन्धु, नगर महासभा कोटा, युवा मंडल एवं महिला मंडल कोटा के पदाधिकारी और सदस्यगण शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि 4 जून 2023 को कोटा में आयोजित राष्ट्रीय छीपा महासभा की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में श्री बिरला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की थी। इसी समारोह में उन्होंने अपने उद्बोधन में छीपा समाज बन्धुओं को संसद भवन देखने के लिए दिल्ली आने का न्यौता भी दिया था, जिसकी क्रियान्विती 25 जुलाई 2023 की इस दिल्ली यात्रा के रूप में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। एतदर्थ श्रीमान ओम जी बिरला साहब लोकसभाध्यक्ष, यात्रा कार्यक्रम के समन्वयक श्री मुकेश नामा (विक्की) तथा उनकी टीम के सहयोगी युवा साथियों के प्रति हार्दिक आभार।

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

चिंता जताई और इन घटनाओं को रोकने तथा कम करने के लिए समाज का क्या रोल होना चाहिए क्या कदम उठाने चाहिए, इस पर गहन चर्चा एवं परामर्श किया। वरिष्ठ सदस्यों की राय लेकर सभी सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्रों में जागृत रहने, समाज के पड़ौस से रहने वाले परिवारों की जानकारी रखने, उनका हालचाल पूछने, परिवारों में चल रही गतिविधि को अप्रत्यक्ष रूप से जानने का प्रयास करने, कुछ भी संदेहास्पद लगे तो अपने ग्रुप में गुप्तरूप से चर्चा एवं विचार-विमर्श कर प्रेम से समझाने का प्रयास करने, उनकी मुश्किलें एवं समस्या जानकर अपने स्तर पर उनका हल निकालने का प्रयास करने, जरूरत पड़ने पर विधि न्याय प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं संस्थान के मुख्य व्यक्तियों को जानकारी देकर काउंसलिंग करने तथा खुदकुशी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए पीड़ित व्यक्ति की मनोस्थिति बदलने के लिए मानसिक एवं नैतिक समर्थन देने का सुझाव दिया, जिससे इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। इस विषय पर एडवोकेट श्री रमेश चन्द ने कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्याम सुन्दर शुक्ला विशेष अतिथि थे।

अंत में उपस्थित सभी सदस्यों तथा समाजरत्न स्व. श्री भगवान दास सामरिया के सुपुत्र श्री धवल सामरिया एवं परिवारजनों के प्रति बैठक के लिए समुचित व्यवस्थाऐं करने पर आभार प्रकट किया गया। राष्ट्रगान के साथ बैठक समाप्ति की घोषणा की गई। जय नामदेव!

– ओम प्रकाश भावसार
प्रांतीय महामंत्री- अहमदाबाद

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

कोटा : श्री नामदेव समाज कल्याण समिति

रजत जयन्ती समारोह, आमसभा व चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न

कोटा। श्री नामदेव समाज कल्याण समिति–110 कोटा की 20 वीं साधारण सभा एवं रजत जयन्ती समारोह 20 अगस्त 2023 को संत नामदेव आई.टी.आई. भवन कोटा के सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि– नागरिक सहकारी बैंक कोटा के चेयरमेन श्री राजेश बिरला थे। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद श्रेष्ठी ने की।

समारोह में अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति के अध्यक्ष श्रीराम सोपरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री घनश्याम वर्मा तथा दासवानी डेन्टल कॉलेज के डाइरेक्टर श्री अनिल दासवानी विशिष्ठ अतिथि थे। राष्ट्रीय छीपा महासभा के महामंत्री श्री अवधेश पाण्डे, कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीचंद अजमेरा एवं श्री हेमन्त नामदेव, हितैषी सभा कोटा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री शंभूदयाल नामा, महामंत्री श्री रमेश धूमस, कोषाध्यक्ष श्री राकेश जेठानिया, युवा संगठन अध्यक्ष श्री मुकेश नामा (विक्की), समिति के कोषाध्यक्ष श्री धर्म कुमार जोशी, सहकोषाध्यक्ष श्री प्रभूलाल गोठानिया एवं समाजसेवी श्री नवल खंडेलवाल भी मंचासिन रहे।

समारोह में सभी अतिथियों, पदाधिकारियों तथा समिति के भूतपूर्व अध्यक्षों श्री के.सी. समेलिया, श्री मोहनलाल दोसाया एवं श्री रामस्वरूप अजमेरा को सम्मानित किया गया। समिति के 50 सदस्यों का भी सम्मान किया गया। आमसभा में अध्यक्ष श्री जगदीश श्रेष्ठी ने अध्यक्षीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रस्तावों का अनुमोदन भी किया गया। कोषाध्यक्ष श्री धर्म कुमार जोशी के अस्वस्थ होने के कारण सदस्य श्री लक्ष्मीचन्द अजमेरा ने लेखा–जोखा प्रस्तुत किया कर अनुमोदन प्राप्त किया। श्री रमेश धूमस उपाध्यक्ष ने आभार व्यक्त किया। सचिव श्री बिरधीचन्द नामा एवं श्री गोपाल सोनी एंकर ने अभिनन्दन समारोह तथा आमसभा का संचालन किया। इस मौके पर समिति के सचिव ने समिति के प्रस्तावित चुनाव कार्यक्रम की जानकारी दी।

निर्वाचन प्रक्रिया :– श्री नामदेव समाज कल्याण समिति–110 की विधिवत चुनाव प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री गोविन्द नामदेव (एडवाकेट) के नेतृत्व में 27 अगस्त से आरम्भ होकर 8 अक्टूबर को सम्पन्न हुई। इस प्रक्रिया में कार्यकारिणी के प्रमुख छः पदों में से पाँच पदों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ, जिनमें अध्यक्ष पद पर श्री महेश जोशी, उपाध्यक्ष–श्री हेमन्त कुमार नामदेव, कोषाध्यक्ष–श्री राजेन्द्र मालीवाल, सहकोषाध्यक्ष–श्री दीपक चित्तौड़ा तथा सहसचिव पद पर श्री अशोक दोसाया निर्विरोध निर्वाचित हुए। सचिव पद के लिए 8 अक्टूबर को हुई मतदान प्रक्रिया में श्री बिरधीचंद नामा विजयी रहे।

शपथ ग्रहण :– समिति के सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को राष्ट्रीय छीपा महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री घनश्याम वर्मा ने शपथ ग्रहण करवाई। इस मौके पर अपने उद्‌बोधन में श्री वर्मा ने कहा कि निवर्तमान

प्रधान सम्पादक श्री घनश्याम वर्मा राज्यस्तर पर हुए सम्मानित

नामदेव छीपा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी, अ.भा. श्री नामदेव छीपा महासभा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका के प्रधान सम्पादक श्री घनश्याम वर्मा (मेड़तवाल) को राजस्थान सरकार ने राज्य स्तर पर सम्मानित किया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता (समाज कल्याण) विभाग के तत्वावधान में एक अक्टूबर 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर अलवर (राज) में आयोजित वरिष्ठजन सम्मान समारोह में विभागीय मंत्री श्री टीकाराम जूली ने श्री घनश्याम वर्मा (कोटा) को उनकी उल्लेखनीय समाज सेवाओं के फलस्वरूप राजकीय सम्मान प्रदान किया। सम्मान स्वरूप श्री वर्मा को शॉल ओढ़ाया गया तथा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर उन्होंने श्री वर्मा को राज. सरकार तथा समाज कल्याण विभाग की ओर से हार्दिक बधाई दी। श्री घनश्याम वर्मा को समाज सेवा के क्षेत्र में प्राप्त राज्य स्तरीय राजकीय सम्मान के लिए अ.भा.श्री नामदेव छीपा महासभा समिति, श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका तथा सर्व नामदेव छीपा समाज की ओर से हार्दिक बधाई एवं दीर्घायु की मंगल कामनाएं तथा राजस्थान सरकार के प्रति हार्दिक आभार। जय विट्ठल जय नामदेव

नारनौल : नामदेव जयन्ती पर आयोजित कलश यात्रा एवं महायज्ञ – दि. 29-10-2023

आयुषी मेड़तवाल
DOB: 13-08-1990

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम	:	**आयुषी मेड़तवाल**
जन्म तिथि	:	13-अगस्त-1990
जन्म स्थान	:	जयपुर
लम्बाई	:	5' 6''
योग्यता	:	M.Design, Graphic Design, (UX/UI Design)
जॉब	:	प्राइवेट कम्पनी में जॉब
गौत्र निषेध	:	मेड़तवाल, नागर, बोलिया

दिव्य शुभाशीष दाता

स्व.श्री चिरंजीलाल मेड़तवाल-स्व.श्रीमती गायत्री देवी (दादा-दादी)

शुभेच्छु

सुरेश मेड़तवाल-श्रीमती कृष्णा (पापा-मम्मी)
तोरल-संजय जी उदयवाल (बहिन बहिनोई), महेश, दिनेश (चाचा)

निवास : B-15/959, आशियाना वृन्दा गार्डन, जगतपुरा, जयपुर
मो.: 8209406365

खुशबू अजय कुमार वर्मा
DOB: 19-01-1999

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम	:	**खुशबू अजय कुमार वर्मा**
जन्म तिथि	:	19-जनवरी-1999
जन्म स्थान	:	अहमदाबाद
लम्बाई	:	5' 4''
योग्यता	:	B.Com., L.L.B.
जॉब	:	लॉ प्रेक्टिस
गौत्र निषेध	:	बोल्या, नईवाल, गढ़िया, डीडोत

शुभेच्छु

अजय कुमार-ज्योति (पापा-मम्मी)
निकुंज वर्मा (भ्राता)
श्री ललित मोहन छीपा (नानाजी)

निवास : 78/03, स्वामी नारायण सोसायटी, विशाल नगर, ईसनपुर, अहमदाबाद
मो.: 8209759149 (नानाजी), 8799654897 (ज्योति)

उदयपुर : सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

चार जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

उदयपुर। श्री विट्ठल नामदेव छीपा सेवा संस्थान उदयपुर द्वारा आम मेवाड़ चौखला कमेटी क्षेत्र आकोला के तत्वावधान में देवोत्थान एकादशी पर 23 नवम्बर 2023 को आयोजित द्वितीय तुलसी विवाह एवं आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन अग्रवाल धर्मशाला उदयपुर में सम्पन्न हुआ।

प्रात:काल गणपति स्थापना के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुए। संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज की 753 वीं जयन्ती के अवसर पर शोभायात्रा निकाली गई, जिमसें तुलसी विवाह हेतु ठाकुर जी की बरात प्रभु श्याम मंदिर गुलाब बाग से आई। शोभा यात्रा में नव विवाहित वर-वधुओं को बग्गी में बिठाया गया। तत्पश्चात दूल्हों द्वारा तोरण मारने की रस्म अदा की गई। शुभ मुहुर्त में वैदिक रीति-रिवाज से चार जोड़ों का विवाह संस्कार सम्पन्न करवाया गया।

इस अवसर पर सामूहिक विवाह सम्मेलन में विशेष योगदान देने वाले भामाशाहों का पगड़ी, शॉल और ओपरणा पहना कर सम्मान किया गया, जिनमें गोधरा के गोविन्द मालीवाल, भानुप्रकाश जोशी, प्रदीप बगेरवाल, मोहनलाल नईवाल, प्रकाश उदयवाल, कैलाश नागर, पिन्टू बिलोदरा, भगवती लाल बगेरवाल, अनुराग मेड़तवाल, रतनलाल बाकलीवाल, बालकृष्ण जड़िया, प्रकाश डिग्गीवाल, भारती जोशी इत्यादि थे। सामूहिक विवाह में मुख्य वेदी की सर्वाधिक बोली आकोला के भैरूलाल बिलोदरा एवं मुख्य कलश की बोली जगदीश जाजपुरा, घुड़ सवारी की मुकेश बाकलीवाल द्वारा लगाई गई।

समारोह के मुख्य अतिथि गोधरा के समाजसेवी श्री गोविन्द मालीवाल तथा विशिष्ठ अतिथि कैलाश बुला एवं श्री जगदीश काका थे। अध्यक्षता समाज के संरक्षक श्री शंकरलाल बाकलीवाल ने की। समारोह में महिला जागृति मंच की अध्यक्ष सीमा बाकलीवाल एवं उनकी टीम की पदाधिकारी महिलाओं ने भी भाग लिया। समारोह में संस्थान के अध्यक्ष श्री बाबूलाल पीलिया, महासचिव सुन्दर डिग्गीवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश बाकलीवाल एवं संयोजक राजू भाई नरबाण सहित संस्थान की पूरी टीम, युवा मंच अध्यक्ष श्री पंकज उदयवाल एवं युवा टीम के पदाधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता प्रदान की। मंच संचालन श्री अनुराग मेड़तवाल ने किया।

– **नन्दकिशोर छीपा,** उदयपुर
मो. 9828039008

❑❑

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

अध्यक्ष श्री जगदीश श्रेष्ठी के कार्यकाल में विगत पाँच वर्षों में समिति की गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन हुआ, इसके लिए श्री श्रेष्ठी की पूरी टीम बधाई की पात्र है। इस अवसर पर समिति के पूर्व अध्यक्ष श्री रामस्वरूप अजमेरा, वरिष्ठ समाजसेवी श्री लक्ष्मीचंद अजमेरा तथा नगर महासभा अध्यक्ष श्री नवल सरसवाल ने भी विचार व्यक्त किये। अंत में नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री महेश जोशी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

– **घनश्याम वर्मा**
कोटा

❑❑

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

मथुरा : प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

मथुरा। गोहिल क्षत्रीय (छीपी) समाज-मथुरा के तत्वावधान में 29 अक्टूबर 2023 को हुनमान वाटिका में आठवां प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अ.भा. नामदेव छीपा महासभा के अध्यक्ष श्रीराम सोपरा एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मेजर जे.पी. वर्मा ने संस्था अध्यक्ष श्री हेमराज देशमा ने माँ सरस्वती एवं संत नामदेव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित का कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आरंभ में समिति के महामंत्री श्री किशन सिंह राजपूत ने विगत वर्षों में समिति के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह का उद्देश्य समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करना तथा जूनियर छात्रों को सीनियर छात्रों से प्रेरणा प्रदान करने का रहा है। शिक्षा ही विकास का मूल आधार होती है। अत: अभिभावकों को अपने बालक-बालिकाओं की शिक्षा पर पूरा ध्यान देना चाहिए।

समारोह के मुख्य अतिथि श्रीराम सोपरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशासनिक सेवाओं की ओर भी अपना रूख करना चाहिए। प्रतिभावान जरूरतमंद छात्रों की उच्च शिक्षा हेतु राष्ट्रीय शिक्षा निधि से भी सहायता प्रदान की जाती है। समाज के भामाशाहों को प्रतिभावान विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा में सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

समारोह के मुख्य वक्ता मेजर जे.पी. वर्मा ने अन्तर्जातीय विवाहों के बढ़ते हुए प्रचलन पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे रोकने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी घटकों के मध्य एकता स्थापित करने तथा रोटी के साथ बेटी व्यवहार को बढ़ावा दिया जावे। उन्होंने गुजरात प्रांत की पद्धति पर अन्य प्रांतों में भी विधवा एवं परित्याक्ता महिलाओं की आर्थिक सहायतार्थ कोष जुटाने पर बल दिया। मेजर वर्मा ने उत्तर प्रदेश की प्रांतीय महासभा को पुनर्जीवित करने के लिए मुख्य संयोजक का दायित्व वहन करने पर सहमति प्रकट की।

समारोह में अतिविशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महासचिव श्री अवधेश पाण्डे ने कहा कि हमारी प्राचीन हाथ ठप्पा छपाई कला को पुनर्जीवित करने के लिए वह निरन्तर प्रयत्नरत है। विश्वविद्यालयों में भी नि:शुल्क प्रशिक्षण देने के लिए जाते हैं। अतिविशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्याम सुन्दर शुक्ला ने कहा कि कम प्रतिशत प्राप्तांक वाले विद्यार्थियों को निराश नहीं होना चाहिए बालक को और अधिक मेहनत करके लक्ष्य हासिल करना चाहिए।

सम्मान :- समारोह में वरिष्ठ समाज सेवी श्री हेमराज देशमा को उनकी उल्लेखनीय समाज सेवाओं के फलस्वरूप अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति की ओर से 'समाज विभूषण' सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर गोहिल क्षत्रीय समाज संस्था की ओर से श्री राम किशन एवं श्री बृजमोहन अटैची वाले को उनके द्वारा समाज की

इसरो के युवा वैज्ञानिक रवि वर्मा

चन्द्रयान - मिशन में रहा विशेष योगदान

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के कृत्रिम उपग्रह प्रक्षेपण अभियानों में नामदेव छीपा समाज के 40 वर्षीय युवा वैज्ञानिक श्री रवि कुमार वर्मा की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। धामनोद (म.प्र.) निवासी श्री रमेश चंद वर्मा- श्रीमती विमला वर्मा के लाड़ले सुपुत्र रवि वर्मा इसरो में अंतरिक्ष वैज्ञानिक हैं, जो वर्तमान में अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (SAC) अहमदाबाद में सेवारत है। मैकेनिकल इंजीनियर रवि वर्मा की प्रथम नियुक्ति 2006 में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र त्रिवेन्द्रम (करेल) में वैज्ञानिक पद पर हुई। तत्पश्चात राकेट लांच स्टेशन थुम्बा (त्रिवेन्द्रम) में भी कार्य किया। जुलाई 2014 से वह अहमदाबाद में कार्यरत है और अपनी उल्लेखनीय सेवाऐं दे रहे है।

अहमदाबाद स्थित अंतरिक्ष केन्द्र में उपगृह प्रक्षेपण से संबोधित पेलोड (कैमरों) का निर्माण किया जाता है। रवि कुमार वहां पेलोड (कैमरों तथा इलेक्ट्रोनिक उपकरणों) एवं अन्य मेटेरियल की गुणवत्ता और विश्वसनीय परखने वाली पांच सदस्यीय टीम के सदस्य

हैं। रवि कुमार वर्मा की टीम द्वारा चन्द्रयान-1, मंगलयान, चन्द्रयान-2 के तथा हाल ही में 14 जुलाई 2023 को चन्द्रयान-3 के प्रक्षेपण में इसरो के वैज्ञानिकों की कुशलता और दक्षता के परिणाम स्वरूप ही सफल लोचिंग हो सकी। इसके लिए सभी वैज्ञानिकों एवं हमारे समाज गौरव युवा वैज्ञानिक रवि वर्मा को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

- घनश्याम वर्मा
प्रधान सम्पादक

धर्मशाला में विशिष्ट कार्य किये जाने पर शाल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर हाई स्कूल एवं इण्टर में 75 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा आई.टी.आई. पोलीटेक्निक, स्नातक, स्नातकोत्तर, बी.टेक. एम.टेक, एमबीए, एमबीबीएस आदि प्रोफेशनल कोर्स उत्तीर्ण करने वाले 36 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह में आगरा के जिलाध्यक्ष श्री विनय सिंह, समाजसेवी श्री सुमेरचंद देशमा, अमीचंद धनोपिया भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण राजोरिया एवं श्री अशोक राजोरिया ने किया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में तन-मन-धन से सहयोग देने वाले कार्यकर्ताओं तथा संत नामदेव सेवा समिति मथुरा के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी श्री मदन लाल तोनगर्या (जयपुर), राजेन्द्र तोनगर्या (जयपुर), राजेश नामदेव (छत्तीसगढ़) एवं जगदीश प्रसाद नामदेव (ललितपुर) भी उपस्थित रहे।

- किशन सिंह राजपूत
महामंत्री, मथुरा

❑❑

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

सूरत : संत नामदेव का संजीवन समाधि महोत्सव सम्पन्न

सूरत। श्री विट्ठल नामदेव छीपा समाज दक्षिण गुजरात, सूरत के तत्वावधान में 15 जुलाई 2023 को संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज का संजीवन समाधि महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया। संस्था अध्यक्ष संजय कुमार पाण्डला एवं संस्थापक सुरेश नानिवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। शिवालय सिलोकन पैलेस से मुख्य अतिथि एवं सभी विशेष अतिथियों को राजस्थानी संस्कृति के अनुरूप महिला मंडल द्वारा सामेरा और तिलक लगा कर ढोल बाजों के साथ समारोह स्थल पर लाया गया। संस्था द्वारा सभी को साफा पहना कर ओर स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि शौर्यचक्र विजेता मेजर जेपी वर्मा ने समाज के बच्चों को राष्ट्र के लिए जीने मरने का आव्हान किया। मेजर वर्मा ने लवजिहाद पर भी प्रकाश डाला। विशेष अतिथि अशोक आर गहलोत और जसराज सोलंकी ने शिक्षा और सन्त नामदेव महाराज के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और कई रोचक जानकारी दी। विशेष अतिथि ओटरमल परमार और भंवरलाल पराड़िया ने सामाजिक परिवेश पर प्रकाश डाला और समाज के सामने अनुरोध किया कि सामाजिक मूल्यों और रिश्तों की रक्षा हेतु झुकना पड़े, तो झुक जाना भी श्रेष्ठ है। विशेष अतिथि खीमचंद पराड़िया एवं थानमल परमार ने महोत्सव आयोजक टीम की सराहना की और कहा कि जो कार्यकर्ताओं में अनुशासन और सेवाभाव है, उसकी जितनी तारीफ की जाए वो कम है। अर्धनारीश्वर गुरूमाता पायल कुँवर ने अपने दिव्य आशीर्वाद में कहा कि आपका यह समाज खूब तरक्की करे, खूब नाम कमाए और यह संस्था प्रसिद्धि के उच्चतम शिखर तक पहुंचे।

मुख्य अतिथि मेजर जे. पी. वर्मा (वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिल भारतीय नामदेव छीपा महासभा, कोटा) द्वारा संस्था सचिव एवं श्री नामदेव युवा परिषद गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष श्री निखिल के छीपा को श्रेष्ठ युवा समाज सेवी सम्मान से नवाजा गया। सम्मान देते समय मंच पर सत्यनारायण नईवाल, अशोक आर गहलोत, जसराज सोलंकी, थानमल परमार, खिमचंद पराड़िया, ओटरमल परमार, भंवर पराड़िया और खेमराज नामा भी उपस्थित रहे। इस मौके पर श्री विट्ठल नामदेव छीपा समाज दक्षिण गुजरात, सूरत कमेटी द्वारा भी निखिल के छीपा का मंच पर सम्मान किया गया। निखिल के छीपा ने सभी का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा मेरे खून के अखिरी कतरे तक सामाजिक मूल्यों की रक्षा करता रहूंगा। न झुका हूँ, न थका हूँ। मेरा जीवन समाज को समर्पित करता हूँ। दूसरे सत्र में चढ़ावे, सम्मान और भजन संध्या के कार्यक्रम हुए। रात्रि 8 बजे पंचमेवा भोग और नामदेव महाराज की आरती और हवन किया गया।

– निखिल छीपा
सचिव, सूरत
मो. 9537321768

❑❑

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **सोमेश जयपुरिया**

जन्म तिथि : 08 नवम्बर 1997

जन्म समय : 05:10 AM

जन्म स्थान : इंदौर (म.प्र.) लम्बाई : 5'8''

शिक्षा : B.Tech. (Electricals)

जॉब : इंडियन ऑयल कारपोरेशन की मथुरा रिफाइनरी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (A ग्रेड अधिकारी)

पैकेज : रू. 17 लाख वार्षिक

गौत्र निषेध : सांडक्या, जेठानिया, झड़िया, पंवार।

सोमेश जयपुरिया

B.Tech (Electricals)

DOB : 08-11-1997

शुभेच्छु एवं सम्पर्क सूत्र

श्रीमती रामजानकी बाई–स्व. श्री मदनलाल जी (दादी–दादाजी), देवेन्द्र प्रताप–स्व.श्रीमती गायत्री देवी (ताऊजी–ताईजी), पुरुषोत्तम जयपुरिया–श्रीमती नीलम (पापा–मम्मी), डॉ. देवेन्द्र अजमेरा–डॉ. अनिशा (जीजाजी–दीदी) रमेशचंद–श्रीमती उषा, महेन्द्र प्रकाश–श्रीमती मोनिका देवी, राजेन्द्र कुमार–श्रीमती अनिता, सुरेन्द्र कुमार–श्रीमती भावना, नरेन्द्र कुमार–श्रीमती मंजू (चाचा–चाची), जगदीश प्रसाद वर्मा–श्रीमती प्रेमलता (फूफाजी–बुआ) एवं समस्त जयपुरिया परिवार।

निवास :– म.नं. 5/150, स्वामी विवेकानंद नगर, कोटा (राज.)

मो.: 8619459284, 9529364619

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **भानु प्रकाश छीपा**

जन्म तिथि : 15 नवम्बर 1991

जन्म समय : 11:05 AM

जन्म स्थान : बकानी

योग्यता : M.Com., B.Ed., MBA, PGDB

व्यवसाय : शिक्षा विभाग में कनिष्ठ सहायक

गौत्र निषेध : बाकलीवाल, कनेशरा, झड़िया, सुरागी

शुभेच्छु एवं सम्पर्क सूत्र

पुरुषोत्तम लाल छीपा–स्व.श्रीमती कांति बाई (दादा–दादी)
रामकुमार छीपा–श्रीमती शैलजा (पापा–मम्मी)
राजेन्द्र कुमार–श्रीमती कृष्णा (चाचा–चाची)
अमित कुमार–श्रीमती प्राची (अनुज दम्पत्ति), आशीष, आयुष (अनुज)

भानु प्रकाश छीपा (विधुर)

DOB: 15-11-1991

वंदना पब्लिक स्कूल, बकानी

जिला– झालावाड़ (संचालक : पिताश्री)

निवास : बुधपुरा मोहल्ला, बकानी (झालावाड़)

मो.: 9413805114 (पिताजी), 7415986352 (भानु)

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **शशांक ठाकुर**

जन्म तिथि : 30 अप्रेल 1991

जन्म समय : 12:10 AM

जन्म स्थान : पांढुरना (म.प्र.)

लम्बाई : 5'9''

योग्यता : B.Tech. (Civil), NIT Bhopal
PG (Master in Finance)
From EDHEC Business School France

जॉब : Senior Analyst in Scope Group (Berlin, Germany)

वार्षिक आय: रू. 60 लाख

गौत्र निषेध : बघेरवाल, डोर, नागर, कनेशरा

शुभेच्छु एवं सम्पर्क सूत्र

दिनेश कुमार–श्रीमती शीलेश ठाकुर (पापा–मम्मी)
दिशांक ठाकुर (बड़े भ्राता)–अदिति नामा (भाभी)

चि. शशांक ठाकुर
DOB: 30-04-1991

निवास : C-140, तिरूपति अभिनव होम्स, अयोध्या बायपास रोड़, भोपाल (म.प्र.)
मो.: 9424300906, 9977861483

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **अश्विनी छीपा**

जन्म तिथि : 22 जुलाई 1991

जन्म समय : 05:02 AM

जन्म स्थान : जयपुर

लम्बाई : 5'9''

योग्यता : B.E. (C.S.) (MSRIT Bangalore)

जॉब : Zolando Berlin (जर्मनी) में
सीनियर सोफ्टवेयर डवलपर

गौत्र निषेध : शुकल्या, पटवा, जाजपुरा, बंदीवाल

अश्विनी छीपा
B.E. (C.S.)

चि. गौरव छीपा
B.Tech (Mech.)
DOB : 31/08/1993

शुभेच्छु :
श्रीमती शांति देवी–स्व.श्री भैरूलाल छीपा (दादी–दादाजी)
अशोक कुमार–संजू (पापा–मम्मी) एवं समस्त शुकल्या परिवार–जयपुर

निवास : C-1209, अनुकंपा प्लेटिना, इस्कॉन रोड़, मानसरोवर, जयपुर मो.: 9414783653

कोटा: वैवाहिकी परिचय सम्मेलन सम्पन्न

समाज के 240 युवक-युवतियों ने दिया आत्म परिचय

कोटा में दिनांक 29 अक्टूबर 2023 को आयोजित हुए अ.भा. नामदेव युवक-युवती परिचय सम्मेलन में राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के 240 युवक-युवतियों ने अपना वैवाहिकी परिचय दिया इनमें 140 युवक तथा 100 युवतियां आत्म परिचय हेतु मंच पर आए। सम्मेलन में भाग लेने के लिए 450 से अधिक युवक-युवतियों ने अपना पंजीकरण करवाया।

श्री नामदेव युवा संगठन कोटा के अध्यक्ष मुकेश नामा (विक्की) ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री राजेश बिरला थे। अध्यक्षता समाज हितैषी सभा कोटा के संभागीय अध्यक्ष श्री रामचरण आमेरिया ने की। विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय छीपा महासभा के पूर्व अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष घनश्याम वर्मा थे। अतिथि के रूप में सर्वश्री राजकुमार गोठरवाल, नामा बैंक के पूर्व अध्यक्ष जगदीश श्रेष्ठी, रामस्वरूप नामा (पूर्व उप प्रधान), शंभू दयाल मंडकला, राकेश जेठानिया, गोपाल सरावगी, भानु दोसाया (पार्षद), नितिन सांखला भी मंचासीन रहे। मंचासीन अतिथियों का युवा मंडल की ओर से आत्मिक सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंचासीन पदाधिकारिवों प्रो. मोहनलाल छीपा, घनश्याम वर्मा, रामचरण आमेरिया, राजकुमार गोठरवाल, जगदीश श्रेष्ठी ने अपना उद्बोधन दिया।

आरम्भ में युवा संगठन के जिलाध्यक्ष मुकेश नामा ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस आयोजन के निमित्त आर्थिक सहयोग देने वाले समाज बन्धुओं का संस्था की ओर से सम्मान भी किया गया। आयोजन की सफलता में श्री नामदेव समाज समाज हितैषी सभा एवं नामदेव समाज नगर महासभा कोटा ने सहयोग प्रदान किया। महामंत्री नितिन नामा ने आभार व्यक्त किया।

❑❑

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए श्री प्रदीप छीपा

बाड़मेर निवासी प्रदीप छीपा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा-2021 में 282 वीं रेंक प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। बाड़मेर के एक साधारण परिवार में जन्में श्री प्रदीप के पिता श्री मोहनलाल छीपा एक किसान है। प्रदीप ने दूसरे चांस में इस प्रतियोगी परीक्षा में पूर्ण सफलता अर्जित की है। पूर्व में वह ग्राम विकास अधिकारी (VDO) के पद पर सेवारत रहे। युवा प्रतिभा प्रदीप छीपा समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे। राष्ट्रीय छीपा महासभा की ओर से इन्हें हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाऐं।

– घनश्याम वर्मा, कोटा

आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन योजना

हाड़ौती की संभागीय संस्था को मिला प्रशासनिक सम्मान

कोटा। देश में 54 वर्ष पूर्व सन् 1969 में प्रथम बार कोटा में आदर्श सामूहिक विवाह योजना की शुरूआत करने वाली नामदेव छीपा समाज की संभाग स्तरीय संस्था श्री नामदेव समाज-समाज हितैषी सभा कोटा को जिला प्रशासन ने 15 अगस्त 2023 को संभाग स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह में सम्मानित कर समाज का मान बढ़ाया है।

राजस्थान के नगरीय विकास मंत्री श्री शांति धारीवाल समारोह के मुख्य अतिथि थे। कोटा की संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री बृजमोहन बैरवा ने नामदेव छीपा समाज को इस युगान्तकारी एवं क्रांन्तिकारी सामाजिक योजना का जनक मानते हुए पहली बार प्रशासनिक सम्मान प्रदान किया। समारोह में समाज के संभागीय अध्यक्ष श्री रामचरण आमेरिया एवं राष्ट्रीय छीपा महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री घनश्याम वर्मा ने भव्य प्रशासनिक समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित समाज बन्धुओं की उपस्थिति में सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह ग्रहण किया।

कोटा संभाग के नामदेव छीपा समाज की इस शानदार उपलब्धि के लिए केबिनेट मंत्री श्री शांति धारीवाल सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने बधाई दी।

कोटा में प्रथम बार देवोत्थान एकादशी नामदेव जयन्ती पर दिनांक 20 नवम्बर 1969 को हुए प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन में सात जोड़ों का सामूहिक पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न हुआ था। हमारे समाज में इन सात जोड़ों को बलिदानी जोड़ो की संज्ञा दी गई, जिन्हें सामूहिक विवाह सम्मेलन की 50 वीं वर्षगांठ पर कोटा में दिनांक 19-11-2018 को आयोजित हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मानित भी किया गया था।

उल्लेखनीय है कि छीपा समाज द्वारा आरम्भ की गई समता, समानता, सरलता, सहकारिता एवं मितव्ययता की अवधारणा पर अधारित इस सामाजिक योजना को कालान्तर में आज सभी जाति समाजों ने भी अंगीकृत कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस योजना की राजस्थान सरकार ने भी सराहना की और इसे प्रोत्साहित करने की दृष्टि से 2004 में सामूहिक विवाह अनुदान योजना आरंभ की थी। वर्तमान में इस योजनान्तर्गत प्रदेश में प्रति जोड़ा 25 हजार रूपये का अनुदान दिया जाता है। इसमें 21 हजार रूपये की अनुदान राशि कन्या पक्ष को तथा 4 हजार रूपये पंजीकृत आयोजक संस्थाओं को देने का प्रावधान है।

– घनश्याम वर्मा, कोटा

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **वैभव उदयवाल**

जन्म तिथि : 02 जुलाई 1997

जन्म समय : 05:30 AM

जन्म स्थान: कोटा

लम्बाई : 5'10''

शिक्षा : B.Tech.

जॉब : सोफ्टवेयर इंजीनियर

पैकेज : रू. 27 लाख वार्षिक

गौत्र निषेध: उदयवाल, बाकलीवाल, गोठानिया, चित्तौड़ा

वैभव उदयवाल

B.Tech

DOB : 02-07-1997

शुभेच्छु एवं सम्पर्क सूत्र

दिलीप उदयवाल–श्रीमती संतोष (पापा–मम्मी)

तनीषा (बहिन) एवं उदयवाल परिवार

निवास :– 'निर्मल' न्यू पोस्ट ऑफिस रोड़, भीममंडी, कोटा जं. कोटा (राज.)

मो.: 9928618581, 9351940109

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **राहुल उदयवाल**

जन्म तिथि : 26 सितम्बर 1997

जन्म समय : 2.57 AM

लम्बाई : 5'6''

योग्यता : B.Tech (I.T.)

जॉब : Meesho Inc. बैंगलोर

पैकेज : 55 लाख सालाना

गौत्र निषेध : उदयवाल, टटवाल, इरेल, बरग

शुभेच्छु एवं सम्पर्क सूत्र

राकेश उदयवाल (पिताजी) – 9785773601

सीमा नामा (माताजी) – 9887895427

प्रतिष्ठान

श्रृंगार श्री ब्यूटी पार्लर, कोटा

चि. राहुल उदयवाल

DOB : 26-09-1997

B.Tech (IT)

निवास : 7-C-5, महावीर नगर तृतीय, कोटा (राज.) 324005

वैवाहिकी परिचय विवरण

हिमानी नामा (मांगलिक)

नाम	:	
जन्म तिथि	:	14-नवम्बर-1998
जन्म समय	:	12:25 AM
जन्म स्थान	:	वैर (भरतपुर)
लम्बाई	:	5' 2''
योग्यता	:	M.A., B.Ed.
गौत्र निषेध	:	पिता-गोठरवाल, माता-घूमस दादी-बांदर मूंदरा, नानी-नागर

शुभेच्छु

राजेन्द कुमार छीपा-श्रीमती मीरां देवी (पापा-मम्मी)
महेश गोठरवाल-श्रीमती हृदयेश (ताऊजी-ताईजी)
मोहित (अनुज), रीतिका-सुरेन्द्र जी (दीदी-जीजाजी)
एवं समस्त गोठरवाल परिवार

प्रतिष्ठान

मनोहर दास मिष्ठान भण्डार
बस स्टेण्ड, वैर (भरतपुर)

हिमानी नामा
DOB: 14-11-1998

निवास : पुरोहितों का मोहल्ला, पो. वैर (जिला भरतपुर)
मो.: 9785019818

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

कु. यामिनी नामदेव

को भारतीय स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर (P.O.) तीन वर्ष का सेवाकाल सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

जन्मतिथि	:	23-2-1995
जन्म स्थान	:	शाजापुर (म.प्र.)
जन्म समय	:	सायं 7:32 लम्बाई : 5' 1''
गौत्र निषेध	:	पिता-नरड़िया, माता-आसरमा दादी-चित्तौड़ा, नानी-रायथलिया

:: शुभेच्छु ::

सूरजनारायण-श्रीमती गायत्री देवी (दादा-दादी), राजेन्द्र-श्रीमती नीतू (पापा-मम्मी), पीयूष (अनुज), पूर्वी (बहिन), ईश्वर प्रसाद-श्रीमती सुनीता, नागपुर (फूफाजी-बुआ), भगवान चित्तौड़ा (कोटा) 9828495831, सुरेश नामदेव (आष्टा) (मामाजी)।

कु. यामिनी नामदेव
DOB: 23-2-1995
B.Sc. (CS), MBA (Finance)

निवास : राजेन्द्र नामदेव, शाजापुर (म.प्र.)
मो.: 9179964454, 7000226891

संत नामदेव जी महाराज की चरण पादुका, रथयात्रा व सायकिल यात्रा का देशभर में भव्य स्वागत

तीर्थक्षेत्र घुमान में भवन बनाने हेतु एक करोड़ का फण्ड मिलेगा

भागवत धर्म के वरिष्ठ प्रचारक विश्व संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की 753 वीं जयंति, संत श्री ज्ञानेवर जी महाराज के 727 वें संजीवन समाधि दिवस और सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरूनानक देव जी की 554 वें प्रकाश पर्व के अवसर पर श्री क्षेत्र पंढरपुर (महाराष्ट्र) से श्री क्षेत्र घुमान (पंजाब) तक लगभग 2100 कि.मी की रथयात्रा व साइकिल यात्रा का श्रीगणेश देवप्रबोधनी एकादशी (नामदेव जयंति), 23 नवंबर 2023 को नामदेव जी महाराज के 17 वें वंशज श्री ज्ञानेश्वर माऊली नामदास महाराज द्वारा पंढरपुर से किया गया।

मध्यप्रदेश सहित महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली एवं पंजाब के विभिन्न नगरों में समाजबंधुओं ने इस यात्रा का भव्य स्वागत वंदन किया। इस उपलक्ष पर यात्रा मार्ग में स्थित नगरों में समाजजनों द्वारा शोभायात्रा और स्नेहभोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकडों समाजबंधुओं ने हर्ष-उल्लास के साथ भाग लिया। माताओं-बहनों ने अपने-अपने घर के सामने रथयात्रा में पधारें अतिथियों का पुष्पवर्षा व जलपान से स्वागत कर चरणपादुका की पूजन आरती की। समाजबंधुओं व भक्तजनों ने मंगला आरती और शयन आरती में सम्मिलित होकर विश्व संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की चरण पादुका का पूजन-अर्चन व भजन-कीर्तन किया। नामदेव जी महाराज के विचारों और उनकी संस्कृति पर कार्यक्रम आयोजित किये। देशभर के समाचार पत्रों और न्यूज चैनलों ने भी रथयात्रा और सायकिल यात्रा का प्रचार-प्रसार कर समाज उत्थान व शांति-समरसता की इस श्रृंखला में महती भूमिका निभाई।

भागवत धर्म के प्रचार-प्रचार की नींव 12-13 वीं सदी में नामदेव ने रखी थी। संत नामदेव ने ऊँच-नीच, बड़ा-छोटा, जाति-पांति के भेदभाव को छोड़कर प्रेम और भक्ति की गंगा बहायी थी। कई एशियाई देश आज भी संत नामदेव जी के विचारो और संस्कृति पर शोध कर रहे है। इस यात्रा में अलग-अलग राज्यों से सभी उम्र के लगभग एक सौ से अधिक महिला-पुरूष सायकल यात्रिवों द्वारा भाग लिया गया है, जिनमें डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, पत्रकार, व्यापारी, रिटा. अधिकारी, अभिभाषक व अन्य बंधु शामिल रहे है। पंढरपुर ग्राम पंचायत के कर्मचारी, अंतर्राष्ट्रीय साईकिलिस्ट मारूति कडाणे जी जो 9 देशों (नेपाल, भूटान, चीन, ब्रह्मा, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बंगलादेश, किवे, भारत) में लगभग 2 लाख कि.मी. की सायकल यात्रा कर चुके हैं, वह इस यात्रा में नामदेव जी व भागवत धर्म के विचारों का प्रचार-प्रचार किया। विश्राम स्थल पर प्रतिदिन प्रातः 06 बजे काकड़ आरती कर यात्रीगण 90-100 कि.मी. सायकल चलाकर शहरों में शोभायात्रा, चल समारोह अथवा संगोष्ठी के द्वारा भागवत धर्म का प्रचार किया। विश्राम स्थल पर रात्रि में 8-9 बजे शयन आरती के पश्चात् भोजन प्रसादी

ग्रहण की। स्थानीय समाजबंधुओं को भी 5-10 कि. मी. सायकल चलाकर भागवत धर्म की इस यात्रा में सहभागिता निभाई।

पिछले वर्ष भागवत धर्म के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से भागवत धर्म प्रसारक मण्डल और राज्य पालकी सोहला पत्रकार संघ ने यात्रा की शुरूआत की थी। इस यात्रा को विभिन्न राज्यों में अच्छा प्रतिसाद मिला और भक्तजनों की इच्छानुसार इस वर्ष भागवत धर्म प्रसारक मण्डल, राज्य पालकी सोहला पत्रकार संघ, श्री नामदेव दरबार कमेटी (घुमाण) और नामदेव छीपा युवा परिषद मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न शिम्पी, छीपा, दर्जी, टांक, मारवाड़ी नामदेव समाज संगठनों की ओर से रथयात्रा और सायकल यात्रा 23 नवंबर 2023 को पंढरपुर से प्रारंभ हुई। दिनांक 29 व 30 नवंबर को आयोजन समिति के पदाधिकारियों व सायकल यात्रियो ं ने इन्दौर में प्रवेश किया। यहां राजवाड़ा पर मां देवी अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा का पूजन-अर्चन भी किया।

पंजाब के राज्यपाल माननीय श्री बनवारी लाल जी पुरोहित ने 9 दिसंबर 2023 को रथयात्रा व सायकल यात्रा का स्वागत कर नामदेव जी महाराज की चरण पादुका का पूजन-अर्चन किया। राज्यपाल महोदय ने नामदेव जी महाराज के तीर्थ क्षेत्र घुमान में महाराष्ट्र के यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था के लिये भवन बनाने हेतु एक करोड़ रू. का फण्ड देने का आश्वासन भी दिया। 11 दिसंबर 2023 को यात्रा श्रीक्षेत्र घुमान(पंजाब) पहुंची। साइकिल रथयात्रा का समापन 23 दिसंबर 2023 को पंढरपुर में हुआ। सुश्री रेखा वर्मा (पूर्व महापौर-देवास) ने विभिन्न राज्यों में भागवत धर्म का प्रचार कर रही आयोजन समितियों व उनके पदाधिकारियों सर्वश्री सूर्यकांत भिसे, शंकर टेमघरे, एडवो. विलास काटे, ज्ञानेश्वर महाराज नामदास जी, सुभाष भांबुरे, एडवो. महेश ढवले, संजय नेवासकर, मनोज मांढरे, आशीष नामदेव, सर्वजीतसिंह बाबा, मनोज भंडारकर, किशनसिंह राजपूत, प्रेमसिंह अग्रोईया, सीताराम टांक, खेमराज नामा, महेन्द्र, लड्डा, मनजिन्द्र सिंह बाबा, सुखजिन्द्र सिंह बाबा, तरसेम सिंह बाबा, नरेन्द्रसि ंह निंदी और समाजबंधुओं व प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रथयात्रा के सहयोगीजनों को नामदेव जी की 753 वीं जयंति की बधाईयां दी और साधुवाद ज्ञापित किया।

यात्रा मार्ग:- यह यात्रा दल पंढरपुर से रवाना होकर अरण, कुर्डवाडी, शेंद्री, बार्शी, यरमाला, वाशी, चौसाला, बीड, गडी मिरकला, अंकुशनगर, पाचोड, छ: संभाजी नगर, फुलंबी, सिल्लोड, गोले गांव, अजंठा, पहूर, जामनेर, बोधवड, मुक्ताईनगर, इच्छापुर, ब्रह्मणपुर, बोरगांव बु., छेगांव माखन, और मध्यप्रदेश में धनगांव, सनावद, बडवाह, सिमरोल, इन्दौर, डकाच्या, देवास, मक्सी, शाजापुर, धनोरा, पचौर, ब्यावरा, सनाहेरा, बीनागंज, नारायणपुरा, गुना, भदोरिया, बदरवास, पडोरा, शिवपुरी, सतनवाड़ा, मोहना, शिरसाधारी गांव, ग्वालियर, मुरैना, धोलपुर से आगरा होते हुए भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में दर्शन-लाभार्थ पहुंचा। मथुरा में छीपा समाजबंधुओं ने चरण पादुका का पूजन व रथयात्रा का स्वागत किया। वहां से पलवल, फरीदाबाद, दिल्ली, बधखालसा, सोनीपत, पत्तीकल्याणा, पानीपत, करनाल, कुरूक्षेत्र, मोरीपुर, अंबाला, डेराबस्ती, चंदीगढ़, नवाशर, रूपनगर, पगवारा, जलंधर, व्यास, घुमान, बाघाबार्डर, अमृतसर, पीरमोहम्द, मोगा

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन्

समाज गौरव एवं समाज भूषण से सम्मानित

स्व. श्रीमती दुर्गेन्द्र कुमारी जगरवाल

धर्मपत्नी स्व.श्री गोपाल शरण जगरवाल (सवाई माधोपुर वाले)

जन्म : 15 मार्च 1936 – वैकुण्ठवास : 27 अक्टूबर 2023

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारूतः॥

परम पूज्यनीया माताजी ! हम सभी परिवारजन परमपिता परमेश्वर से आपकी पुण्यात्मा की चिरमुक्ति एवं चिरशांति प्रदान करने की कामना करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

''ओ३म शान्ति''

शोकाकुल –

अनिल कुमार–रेखा देवी, अशोक कुमार–संगीता देवी, अजय कुमार–शर्मिला देवी, अरूण कुमार–आशा देवी, अर्जुन कुमार–शोभा देवी (पुत्र–पुत्रवधु), गौरव कुमार–चेतना (पौत्र–पौत्रवधु), तन्वी–वैभव (पौत्री–दामाद), यश, दिग्विजय, विजयंत, रिशिता, चयन, लोकित, तोषी (पौत्र), अनिता–प्रवीण कुमार, अंजना–विजय कुमार, सकुन–आर. धनोपिया, अलका–विनोद कुमार (पुत्री–दामाद), विहान (परनाती), रिद्धान (प्रपौत्र) एवं समस्त जगरवाल परिवार (आकड़िया) सवाई माधोपुर वाले (राज.)

प्रतिष्ठान

मै. सेल्स ट्रेडर्स (इण्डिया)
1245, चतरपुरा हाउस, बालानंदजी का रास्ता
चांदपोल बाजार, जयपुर
मो.: 9414074536, 7740896970

मै. यश सेल्स एजेन्सी
1/1, भगवती चेम्बर, वेयर हाउस रोड़, इंदौर (म.प्र.)
मो.: 8839557722, 9907008176

मै. सकुन सेल्स
45–ए, लक्ष्मीनारायण कॉम्पलेक्स
शिव विलास पैलेस, राजबाड़ा, इंदौर (म.प्र.)
मो.: 9300038620, 9302128666

मै. जगरवाल एन्टरप्राइजेज
7, आनंद शॉपिंग आर्केड, तपोवन विद्यालय के सामने,
इन्द्रलोक, फेज चतुर्थ, भयंदर (पूर्व), मुम्बई
मो.: 8169818345

मै. बिन्नी सेल्स एजेन्सी
197, मरीमाता चौराहा, इंदौर (म.प्र.)
मो.: 9340233369

निवास : 41, पी.एण्ड टी. कॉलोनी, शांति नगर, जयपुर
Ph.: 0141-2224012

अष्टम् पुण्यतिथि : 14 दिसम्बर 2023

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन

जन्म :
06-1-1944

वैकुण्ठवास :
14-12-2015

स्व. श्री कृष्ण कुमार जोशी

कोटा (राज.)

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

परम श्रद्धेय ! हम सभी परिवार जन परमपिता परमेश्वर से आपकी आत्मा को चिरशांति एवं चिरमुक्ति की कामना करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

!! ओम शान्ति !!

शोकाकुल -

श्रीमती सरोज लता जोशी (धर्मपत्नी)

निवास : 3-च-10, विज्ञान नगर, कोटा (राज.)
Mob.: 9414277679, 9414936371

बुडलाडा, रतिया, हिसार, सादुलपुर, चुरू, सुजानगढ, रतनगढ, लाडनू मेड़तासिटी, आंनदपुर कालू, झुंठा, सोजतरोड, बारसाधाम, पाली, सुमेरपुर, स्वरूपगंज, आबूरोड, दांता, अंबाजी, हिम्मतनगर, अहमदाबाद, आनंद, बडोदा, अंकलेश्वर, सूरत, चिखली, वापी दमण, पेठ, हरसूल, त्रयंबकेश्वर, नासिक, संगमनेर, आलेफाटा, राजगुरूनगर, आलंदी, पुणे, सासवड, लोणंद, फलटण, नातेपुते, मालशिरस, वेलापुर व अन्य शहरों में होते हुए आगे बढ़ती रही। नामदेव समाजबंधु तथा भक्तजनों ने रथयात्रा व सायकल यात्रा का हार्दिक स्वागत-सत्कार किया। अधिकांश जगहों पर नामदेव जी महाराज की चरण पादुका का पूजन व विट्ठल-विट्ठल विट्ठला के संगीतमय भजन के साथ शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया।

यात्रा के मुख्य व्यवस्थापक सूर्वकांत भिसे (महा.) ने बताया कि विश्व संत शिरोमणी नामदेव जी महाराज की जयंति, संत ज्ञानेश्वर महाराज जी के समाधि दिवस और गुरूनानक देवजी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में इस यात्रा का आयोजन किया गया। श्री भिसे ने बताया कि साइकिल रथयात्रियों का 29-30 नवम्बर को इंदौर में समाज अध्यक्ष संजय बिरोलिया, संरक्षक मोहन लाल गोठरवाल, अशोक कंजोड़िया, गिरधारी गुलगांवा, गणेश रायथलिया, मनीष नामदेव, सुशील भाटी, धर्मेन्द्र उज्जैनिया, त्रिलोक नईवाल, प्रवीण नागर, दिनेश नामदेव, हितैष नामदेव, संतोष बेरीवाल, आशीष नामदेव, रूपेश देवालिया, दीपक राईवाल, आकाश वैद्य, राजा जी गोठरवाल तथा अन्य समाज बन्धुओं ने स्वागत अभिनन्दन किया। सभी राज्यों के समाजजनों ने इस रथयात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे समाज में शांति, समता और बंधुत्व की भावना का संचार हुआ। श्री भिसे ने आयोजन समिति की ओर से यात्रा के आयोजन में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी सभी भक्तजनों का आभार ज्ञापित किया तथा समाजबंधुओं को दर्शन लाभ हेतु पंढरपुर आने का आमंत्रण भी दिया।

जय विट्ठल, जय नामा

❑❑

– आशीष नामदेव
मध्यप्रदेश राज्य समन्वयक
रथयात्रा आयोजन समिति
एवं उपाध्यक्ष
नामदेव छीपा युवा परिषद मध्यप्रदेश
मो. 9424009940

श्री नामदेव जन्मोत्सव के उपलक्ष में किया कलश यात्रा का आयोजन

नारनौल में श्री नामदेव महाराज ट्रस्ट मंदिर मोहल्ला प्राणपुर के तत्वावधान में श्री नामदेव जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के संरक्षक सुभाष चंद्र लखमरा ठेकेदार ने श्री नामदेव धर्मशाला पुरानी सराय से कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें सैकड़ों की तादाद में महिलाएं अपने सिर पर कलश लिए हुई थी। वहीं पुरुष हाथों में ध्वज लेकर चल रहे थे। कलश यात्रा पुल बाजार,पानी की टंकी, सिलाई सेंटर, अग्रसेन चौक होते हुए मोहल्ला प्राणपुरा के प्राचीन हनुमान मंदिर पर जाकर संपन्न हुई, जहां श्री रमेश चंद्र शास्त्री के सानिध्य में यज्ञ हवन का आयोजन किया गया तथा मंत्र उच्चारण से आहुतियां दी गई।

कार्यक्रम से पूर्व श्री नामदेव धर्मशाला में समाज के लोगों को संबोधित करते हुए समाज के संरक्षक सुभाष चंद्र ने कहा कि संत श्री नामदेव महाराज भक्ति कालीन संत थे, जिन्होंने मराठी भाषा में काफी संख्या मे कविता, पद तथा अभंगों की रचना की। उनके द्वारा रचित एवं गाए जाने वाले अभंग सिखों के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में भी पढ़े जा सकते हैं। नामदेव एक महान भारतीय संत थे, जिन्होंने विभिन्न संतों की संगति में रहकर आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया और फिर भगवान की भक्ति में लीन हो गए। उन्होंने भगवत भक्ति के माध्यम से आम जनता को ईश्वरीय प्रेम, सेवा और सही जीवन जीने की कला के प्रति जागरूक किया था।

इस अवसर पर श्री नामदेव चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान बाबूलाल वर्मा ने कहा कि संत श्री नामदेव जी की शिक्षाएं और उनका जीवन दर्शन आध्यात्मिकता, मानवता, सद्गुणों का पालन, भक्ति, लग्न, त्याग, समर्पण, एकता और सामाजिक समरसता पर आधारित है, जो आधुनिक समय में भी काफी प्रासंगिक और महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राणपुर नामदेव ट्रस्ट मंदिर के सचिव बृजमोहन गोठरवाल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कलश यात्रा बड़ी धूमधाम से आयोजित की गई है, जिसमें समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के प्रधान कैलाश चन्द्र, कोषाध्यक्ष पूर्ण चंद गोठरवाल, समिति सचिव ओमप्रकाश नागर, ट्रस्ट के सचिव एडवोकेट सत्यनारायण वर्मा, पूर्व प्रधान सुभाष चंद्र कश्यप, सत्यनारायण छीपी, कृष्ण कुमार, प्रमोद गोठरवाल, मनोज गोठरवाल, गीता देवी, बीना देवी, मुन्नी देवी, मीना देवी, सुनीता देवी, अनिता देवी, शकुंतला देवी, कृष्णा देवी, फूली देवी,समिति के प्रधान ओमप्रकाश लोहारिया, समिति सचिव संजय वर्मा, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, धर्मवीर, राजेंद्र कुमार, पूर्ण चंद गोठरवाल, प्रेम गोठरवाल, राजेंद्र कुमार सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे। कलश यात्रा में घोड़े की बग्गी तथा नामदेव जी की रथ यात्रा थी।

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

हिंदी आंदोलन के शहीद सुमेर सिंह आर्य की स्मृति में पुस्तकालय होगा स्थापित

मंडी आदमपुर। हिन्दी साहित्य आंदोलन के दौरान 1957 में शहीद हुए सुमेर सिंह आर्य रोहिल्ला की स्मृति में जल्द ही एक पुस्तकालय की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा उनके नाम पर प्रदेश के किसी संस्थान का नामकरण भी किया जाएगा। समस्त रोहिल्ला व टांक राजपूत समाज की तरफ से गांव नयाबांस में 16 फरवरी 2024 को आयोजित शौर्य स्मृति दिवस समारोह के दौरान यह घोषणा की गई। समारोह में राज्य सभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, सांसद अरविंद शर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता मनीष ग्रोवर व सतीश नांदल सहित अन्य कई वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत की। इस अवसर पर सुमेर सिंह आर्य रोहिल्ला की स्मृति में गठित संस्थान को 11 लाख रुपये की राशि देने की भी घोषणा की गई। इसके अतिरिक्त सुमेर सिंह आर्य रोहिल्ला स्मारक पर छतरी लगवाने, परिसर को पक्का करने की मांग को भी मंजूर किया गया।

नामदेव सभा प्रदेश अध्यक्ष व पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि समारोह के दौरान हिन्दी साहित्य आंदोलन में भाग लेने वाले परिवारजनों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों द्वारा श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण के साथ वीर गाथा, देशभक्ती गीत प्रस्तुत किए गए। इसके उपरांत सामूहिक लंगर आयोजित किया गया। इस अवसर पर माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर सिंह मालवाल सहित विभिन्न गांवो के गणमान्य सदस्यगण उपस्थित थे।

– विनोद खन्ना
मंडी आदमपुर

कोटा : बोरखेड़ा पंचायत का होली मिलन समारोह सम्पन्न

कोटा। श्री नामदेव छीपा समाज बोरखेड़ा पंचायत कोटा द्वारा 29.03.2024 को द्वितीय होली स्नेह मिलन समारोह उत्सव मैरिज गार्डन में हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में समाज के भामाशाह और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नामदेव समाज हितेषी सभा कोटा के अध्यक्ष श्री रामचरण आमेरिया, विशिष्ट अतिथि श्री शंभूदयाल मंडकला, नगर महासभा अध्यक्ष श्री नवल किशोर सरसवाल, उपाध्यक्ष श्री महावीर इयानिया, नामदेव कल्याण समिति के सचिव श्री बिरधीचंद, दादाबाड़ी पंचायत अध्यक्ष श्री नवल देव, स्टेशन पंचायत अध्यक्ष श्री रामकिशोर चौधरी उपस्थित रहे। श्री सुनील गंगवाल संगठन मंत्री द्वारा बच्चों, महिलाओं व पुरुषों की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजेताओं को पारितोषिक वितरण किया गया। बोरखेड़ा पंचायत अध्यक्ष श्री धर्मराज नामा द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। मंच संचालन श्री सुरेश नामा कोषाध्यक्ष द्वारा किया गया।

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

कोटा : सामूहिक विवाह एवं नामदेव जयन्ती समारोह सम्पन्न

चित्र प्रदर्शनी रही आकर्षण का केन्द्र

कोटा। संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की 753 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में देवोत्थान एकादशी पर 23 नवम्बर 2023 को संत नामदेव आई.टी.आई. संस्थान परिसर कोटा में जयन्ती उत्सव तथा आदर्श सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया।

श्री नामदेव समाज-समाज हितैषी सभा कोटा के तत्वावधान में आयोजित इस उत्सव-समारोह में संत नामदेव की जयन्ती मनाई गई। राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मुख्यवक्ता श्री घनश्याम वर्मा ने संत शिरोमणी के जीवन दर्शन तथा देश-विदेश में उन नर हो रहे उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी। इस मौके पर शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें एक बग्घी में विराजमान संत नामदेव के जीवंत स्वरूप की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। यह जीवंत स्वरूप युवा समाज सेवी राजेन्द्र आजाद ने धारण किया। शोभा यात्रा में परिणय बंधन में बंधने वाले दोनों दूल्हों को सुसज्जित घोड़ियों पर बैठकर निकासी निकाली गई। इससे पूर्व 21 कुण्डीय गायत्री यज्ञहवन किया गया, जिसमें अनुदानदाता समाज बन्धुओं ने सपत्नीक यज्ञ वेदियों पर विराजमान होकर हवन किया। गायत्री शक्तिपीठ के आयार्च श्री चतुर्भुज जोशी एवं श्री गायत्री प्रसाद गोठानिया ने विधि विधानपूर्वक संगीतमय हवन पूजन करवाया।

शोभायात्रा के बाद तोरण मारने तथा वरमाला की रस्म अदायगी हुई। तत्पश्चात पाणिग्रहण संस्कार, आशीर्वाद समारोह एवं विदाई के कार्यक्रम हुए। परिणय बंधन में अबद्ध हुए दोनों जोड़ो को समाज बन्धुओं की ओर से हितैषी सभा के माध्यम से गृहस्थोपयोगी आवश्यक सामान उपहार स्वरूप दिये गये। हितैषी सभा के अध्यक्ष श्री रामचरण आमेरिया ने आयोजन में सहयोग करने वाले उदारमना अनुदानदाताओं, सहयोगियो, कार्यकर्ताओं, शक्तिपीठ के आचार्यों तथा समाज बन्धुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

चित्र प्रदर्शनी – इस मौके पर संत नामदेव के जीवन के विविध प्रसंगों, चमत्कारों एवं घटनाओं पर आधारित दुर्लभ रंगीन चित्रों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शित चित्रों का संकलन एवं प्रस्तुति राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री घनश्याम वर्मा (मेड़तवाल) की रही। यह प्रदर्शनी समाज बन्धुओं के अवलोकनार्थ एक सप्ताह तक संचालित रही।

– घनश्याम वर्मा
कोटा

❑❑

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

तृतीय पुण्य स्मरण : 22 नवम्बर 2023

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन्

जन्म :
19 अक्टूबर 1944

वैकुण्ठवास :
22 नवम्बर 2020

स्व. श्री नाथूलाल जी सरावगी

(रिटायर्ड मैनेजर PNB)

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारूतः॥

"ओ३म शान्ति"

शोकाकुल –

श्रीमती प्रेम देवी (धर्मपत्नी)

दीपक–किरण, दिनेश–अनिशा, अनिल–मीरा (पुत्र–पुत्रवधु), ऋषभ, निर्मल, कार्तिक, यश (पौत्र), सौम्या, ऋशिता (पौत्री), आशा–लोकेश भावसार (पुत्री–दामाद), प्रत्यक्ष (दोहिता), अहाना (दोहिती) एवं समस्त सरावगी परिवार।

प्रतिष्ठान

जिया बुटीक
शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा मो.: 9929341449

इंश्योरेन्स जंक्शन
भीलवाड़ा

निवास : B-79, राधास्वामी निकुंज, शास्त्री नगर, भीलवाड़ा–311001 (राज.)
Mob.: 9829244229

! अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत-शत नमन !

स्व. श्री गौरी शंकर जी दोसाया

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
जन्म तिथि : 25-10-1929
बैकुण्ठवास : 09-03-2016

स्व. श्रीमती लीलावती दोसाया

जन्म तिथि : 01-07-1935
बैकुण्ठवास : 23-10-2017

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

परम श्रद्धेय पूज्यनीय पिताजी एवं मातुश्री! आपका अनुकरणीय व्यक्तित्व सदैव हमें सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा। आपकी सत्कारशीलता, अतिथि देवो भवः की भावना, सामाजिकता, उदारता जैसे गुण सदैव हमारा पथ प्रदर्शन करते रहेंगे। हम सभी परिवारजन परमपिता परमेश्वर से आपकी पावन आत्मा को चिरशांति प्रदान करने की कामना करते हैं ।। ओम शांति ।।

शोकाकुल -

विनय कुमार-अंजू, लोकेश-सुमन (पुत्र-पुत्रवधु),
स्पर्श-पारूल, प्रखर-डॉ. मुनमुन (पौत्र-वधु)
शौर्य, हर्ष (पौत्र) एवं समस्त दोसाया परिवार
श्रीमती उषा-स्व. राजेन्द्र कुमार जी (मुम्बई), श्रीमती रश्मि-श्री भरत जी सामरिया (अहमदाबाद),
श्रीमती निशा-डॉ. भगत सिंह जी (मुंबई), श्रीमती मधु-श्री प्रेमचंद जी टटवाल (हाथरस),
श्रीमती नीलम-श्री महेशचंद मेड़तवाल (जयपुर) (पुत्री-दामाद) एवं मित्रगण

सम्प्रति : L-31, सागर विहार कॉलोनी, वैशाली नगर, अजमेर (राज.)
मो.: 6376236109, 7737241271

झालावाड़ : जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

श्री कैलाश नामदेव अध्यक्ष एवं श्री महेश झड़िया महामंत्री निर्वाचित

झालावाड़। श्री नामदेव समाज जिला विकास संस्था झालावाड़ की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 2 जुलाई 2023 को अग्रसेन वाटिका झालरापाटन में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय छीपा महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री घनश्याम वर्मा (कोटा) थे। अध्यक्षता हितैषी सभा कोटा के संभागीय अध्यक्ष श्री रामचरण आमेरिया (कोटा) ने की।

समारोह में नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष श्री कैलाश चंद नामदेव के साथ कार्यकारिणी में मनोनीत महामंत्री श्री महेश कुमार झड़िया तथा कोषाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जोशी को राष्ट्रीय छीपा महासभा के महासचिव श्री अवधेश कुमार पाण्डे (जयपुर) ने शपथ दिलवाई। उन्होंने नवयुवक मण्डल झालावाड़ के जिलाध्यक्ष श्री सत्येन्द्र कुमार नामा को भी शपथ ग्रहण करवाई। समारोह में मंचासीन पदाधिकारियों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री जगदीश श्रेष्ठी एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री नवल खंडेलवाल विशिष्ठ अतिथि थे। आरंभ में दीप प्रज्ज्वलन के बाद सभी मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंनदन किया गया।

समारोह में मंचासीन श्री पाण्डे, श्री वर्मा, श्री श्रेष्ठी एवं श्री खंडेलवाल ने उद्‌घोधन दिया और नव निर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी। आरंभ में निवर्तमान जिलाध्यक्ष श्री योगेश झड़िया ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री कैलाश नामदेव (टटवाड़िया) ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री श्री सत्येन्द्र कुमार नामा ने किया।

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

कांकरोली : ज्ञानोदय दिवस पर शोभायात्रा

कांकरोली। श्री नामदेव (गहलोत) छीपा समाज समिति आम मेवाड़ चौकड़ा कमेटी क्षेत्र आकोला कांकरोली, जिला राजसमन्द के तत्वावधान में 14 फरवरी 2024 बसंत पंचमी के अवसर पर संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज के ज्ञानोदय दिवस पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। श्री चारभुजानाथ एवं नामदेव जी को रथ में सजा कर नगर भ्रमण करवाया गया।

बैण्ड बाजों के साथ 51 कलश महिलाओं द्वारा लिए गये जो शोभा यात्रा में चार चांद लगा रहे थे इस अवसर पर समाज के सभी महिला पुरूषों के साथ चलकर शोभा यात्रा को आलोकित कर दिया तथा सभी समाज बन्धुओं ने बढ़े ही तन मन से सहयोग प्रदान किया।

❑❑

– रमेश चन्द छीपा
कांकरोली

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

भोपाल : वैष्णव छीपा समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन

भोपाल। वैष्णव छीपा समाज भोपाल के तत्वावधान में झीलों की नगरी भोपाल में दिनांक 10 मार्च 2024 को मानस भवन गुफा मंदिर लालघाटी भोपाल में आठवां युवक-युवती परिचय सम्मलेन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंच पर उपस्थित अतिथिगणों द्वारा संत श्री नामदेव जी महाराज की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जे.पी. धनोपिया, अध्यक्ष म.प्र. प्रांतीय श्रीनामदेव छीपा महासभा द्वारा की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर निगम भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय तथा विशिष्ट अतिथि, क्षेत्रीय विधायक श्री रामेश्वर शर्मा थे। विशेष अतिथि नगर निगम देवास की पूर्व महापौर सुश्री रेखा वर्मा के अलावा श्री मोहनलाल गोठरवाल इंदौर, श्री रमेश आर्य शमशावाद, श्री संतोष ठाकुर सागर, श्री देवेश आर्य विदिशा, श्री सोहन जाजपुरे इंदौर, श्री दीपक उज्जैनिया इटारसी, श्री जयप्रकाश नामदेव सीहोर, श्री योगेन्द्र नामदेव उज्जैन, श्री ओम प्रकाश ठाकुर ग्वालियर, श्री शिवदर्शन उज्जैनिया, नर्मदापुर के अलावा अनेक जिलों के अध्यक्ष श्री संजय बरोलिया इंदौर, श्री मुकेश जसवाड़िया आष्टा, श्री कमल किशोर नामदेव सोनकच्छ, श्री सतीश नामदेव देवास, स्थानीय सदस्यगण श्री सुरेन्द्र बड़ोका, श्री प्रकाश चंद्र डोर, श्री आर. जी. ठाकुर, श्री उमेश वर्मा, श्री ब्रजेशज छीपा बैरसिया एवं मेरे अनेक सहयोगी साथियों के अलावा लगभग 1600 समाज बंधु एवं माताएं, बहिनें उपस्थित रही। सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों एवं गणमान्य सदस्यों का हारफूल माला पहनाकर एवं धार्मिक पट्टिका उड़ाकर साथ ही बेच लगाकर स्वागत किया गया। तदुपरान्त श्री कमलेश आर्य अध्यक्ष वैष्णव छीपा समाज भोपाल द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।

इस अवसर पर एक परिवारिक एवं युवक-युवती परिचय दर्पण 2024 का प्रकाशन श्री स्मारिका वैष्णव छीपा समाज भोपाल द्वारा कराया गया था, जिसका विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इसके बाद मंचासीन मुख्यातिथियों एवं समाज बंधुओं द्वारा अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की स्वागतबेला के बाद युवक-युवती परिचय का क्रम प्रारम्भ हुआ एवं लगभग 300 युवक-युवतियों ने अपना परिचय दिया। मंच संचालन श्री कमलेश आर्य ने एवं आभार श्री सुरेन्द्र बाडिका द्वारा किया गया।

– **कमलेश आर्य**
अध्यक्ष-वैष्णव छीपा समाज
भोपाल

❑❑

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

बंसत पंचमी पर छिम्पी समाज मिलन समारोह में प्रतिभाओं व समाजसेवियों को किया सम्मानित

प्रदेश के किसी संस्थान का नामकरण भी होगा

मंडी आदमपुर। बसंत पंचमी पर सिरसा रोड स्थित संत नामदेव धर्मशाला में नामदेव चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा छिम्पी समाज मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधान मनीराम पंवार एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष मास्टर प्रताप सिंह ने संत नामदेव के बताये व दिखाये मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इन्होंने कहा कि हमें संगठित होकर रहना है तथा समाज के हर व्यक्ति का सहयोग करना है। इस अवसर पर चेयरमैन ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा गरीब जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढाई के लिए सभा पूरा सहयोग करेगी तथा उनकी फीस व अन्य खर्चों का भी वहन करेगी। इसके लिए संस्था के पास आवेदन दिये जा सकते है। सभा की तरफ से इस मौके पर समाज के बुजुर्गो, समाजसेवियों एवं पढाई खेलकूद व अन्य क्षेत्र में अव्वल रहने वाले युवाओं को भी सम्मानित किया गया। समाज के बच्चों ने देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर सबका मन मोह लिया। सभा की तरफ से अतिथियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर कर्णसिंह रोहिला, प्रेम जी अग्रोईया, सत्यवान किरोडी, छेलूराम पंवार, हरपाल अग्रोईया, साधुराम बाटू, रामविलास, जोगीराम लाडवा, सरपंच राजेश खती, गोलूराम मिस्त्री, विनोद वर्मा, राधेश्याम सांखला, विनोद रोहिला, लीलुराम पंवार, महेन्द्र कालीरावण सहित समाज के अनेक चिकित्सक व अन्य विभागों में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी तथा सैकडों की संख्या में समाजबंधु व महिलाएं उपस्थित रही।

संत नामदेव विट्ठल दर्शन समारोह पर हवन यज्ञ का आयोजन

आदमपुर छिम्पी समाज द्वारा बंसत पंचमी पर संत नामदेव विट्ठल दर्शन समारोह पर ह्राऊसिंग बोर्ड स्थित नामदेव मन्दिर में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पण्डित सुरेन्द्र चोटिया ने कहा कि नामदेव जी महान संत थे तथा भगवान ने उन्हें 72 बार दर्शन दिये। नामदेव जी ने बुराईयों से दूर रहकर मेहनत की कमाई करने एवं सिलाई कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हवन यज्ञ से जहां पूण्य की प्राप्ति होती है वहीं मन को आत्मिक शांति भी मिलती है। इस मौके पर प्रधान गोलू राम मिस्त्री ने संत नामदेव के बताये एवं दिखाये मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उपस्थित लोगों ने यज्ञ में आहुति डाली।

इस अवसर पर राधेश्याम सांखला, विनोद वर्मा, महेन्द्र कालीरावण, राजाराम पंवार, पथ्वी रेंजर, विजय कैथ, राधेश्याम टेलर तथा अनेक महिलाएं भी मौजूद रही।

– विनोद खन्ना
मंडी आदमपुर

नामदेव समाज की प्रतिभाओं व समाजसेवियों का सम्मान

कोटा। विट्ठल नामदेव समाज सभा केशवपुरा कोटा की ओर से दिनांक 7 अप्रैल 2024 को होली स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रवक्ता दौलत गोठानिया ने बताया कि मुख्य अतिथि डॉ. अमिता बिरला रही। विशिष्ट अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा व नगर निगम कोटा दक्षिण के नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी रहे। कार्यक्रम डॉ. बिरला ने कहा कि नामदेव समाज के लोग संगठित व सहयोग की प्रवृत्ति रखते है। समाज उत्तरोत्तर प्रगति और विकास की ओर अग्रसर है।

इस अवसर पर नामदेव समाज के लिए वरिष्ठ समाजसेवियों, भामाशाह व प्रतिभाओं को विशिष्ट उपलब्धि पर सम्मानित किया गया। बच्चों ने चित्रकला एवं नृत्य प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अध्यक्ष पुरूषोत्तम चिचोतिया, कार्यक्रम संयोजक व संरक्षक रामस्वरूप अजमेरा, संभागीय अध्यक्ष रामचरण आमेरिया, महामंत्री दयाशंकर बलरिया, सत्यनारायण बरग, उपाध्यक्ष लोकेश श्रेष्ठी, मनीष नामा, युवा संगठन अध्यक्ष मुकेश नामा आदि मौजूद रहे।

कृपया आयोजन के चित्र रंगीन पृष्ठों पर देखें

वरिष्ठ समाजसेवी श्री राकेश भारतीय पंचतत्व में विलीन

कोटा के वरिष्ठ समाज सेवी एवं राष्ट्रीय छीपा महासभा के सम्मानीय सदस्य श्री राकेश भारतीय अब हमारे बीच नहीं रहे। स्व. श्री मोहन लाल डिग्गीवाल एवं स्व. श्रीमती प्रेम ब्याई के सुपुत्र श्री भारतीय ने 24 मार्च 2024 को कोटा में अंतिम सास ली और स्वर्ग सिधार गये। वह यहां लेखा सेवा में विभिन्न पदों कनिष्ठ लेखाकार से लेकर तकनीकि विश्वविद्यालय कोटा से मुख्य अधिकारी के पद से दिनांक 30.09.2021 को सम्मानपूर्वक सेवा निवृत्त हुए थे। श्री भारतीय को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के फलस्वरूप 26 जनवरी 2013 को जिला प्रशासन कोटा द्वारा सम्मानित भी किया गया था।

आप अपने पीछे धर्मपत्नी श्री मधुमति, दो पुत्ररत्न भावेश एवं निशांत दम्पत्ति अनुज श्री त्रिलोकराय दम्पत्ति, मामाजी श्री नंद लाल दोसाया दम्पत्ति एवं ससुर श्री रामपाल दूनीवाल (जयपुर) सहित भरापूरा परिवार छोड़ संसार से विदा हुए है। अ.भा. श्री नामदेव छीपा महासभा एवं समस्त नामदेव छीपा समाज की ओर से आपश्री की पावन आत्मा की चिर मुक्ति एवं चिरशांति की कामना करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करते है। परम पिता सभी परिवारजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति और संबल प्रदान करे। ओम शांति

— प्रधान संपादक
कोटा

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

चि. भौमिक बाड़ीका

को उनके निजी प्रतिष्ठान

मै. स्वास्तिक इलेक्ट्रिकल्स एण्ड एप्लायन्सेज़, चित्तौड़गढ़

की स्थापना एवं संचालन के दो वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

चि. भौमिक बाड़ीका
B.Tech. (E.I.C.)
Ex. Executive-Adobe
DOB : 23/06/1994

चि. मृदुल बाड़ीका
B.Tech. (Comp. Sc.)
Ex. Executive-Amazon
DOB : 09/04/1998

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं

श्री कन्हैयालाल बाड़ीका–श्रीमती उमा देवी
(दादा–दादी)
95/6A 'साकेत', कुंभानगर, चित्तौड़गढ़

शुभाशीष

राकेश बाड़ीका–श्रीमती स्नेहा
(पापा–मम्मी)

शुभेच्छु :

वर्षा––स्व. ब्रजेश जी खींची, हर्षा–संजय जी बघेरवाल, ऋतु–ललित जी छीपा (पीरिया) (बुआ–फूफाजी)
ननिहाल : स्व. चौथमल शुक्ला–गिन्दो देवी (नाना–नानी), डा. श्याम सुन्दर शुक्ला–विमलेश (मामा–मामी), अलवर, जयपुर और समस्त बाड़ीका परिवार

सम्प्रति : D-स्पेशल-11A, अणु आशा कॉलोनी, पोस्ट–भामानगर, रावतमाटा, जिला चित्तौड़गढ़, राज.
सम्पर्क : 9414185107, 8233340016

News Paper Registration No.: 38302/83
Govt. of India (New Delhi)

Life Membership Rs. 1500/-
Each Copy 35/-

!! अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन !!

स्व. श्री राकेश भारतीय

(रिटायर्ड मुख्य लेखाधिकारी)

सुपुत्र: स्व. श्री मोहनलाल डिग्गीवाल-स्व.श्रीमती प्रेमबाई

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

हम सभी परिवारजन उनके असामयिक देवलोक गमन हो जाने पर भावपूर्ण अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शत-शत नमन करते हैं। परम पिता परमेश्वर से कामना करते हैं कि आपकी पावन आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देवें।

॥ ओम शान्ति ॥

स्व. श्री राकेश भारतीय

जन्मतिथि : 24-09-1960

बैकुण्ठवास : 24-03-2024

शोकाकुल -

श्रीमती मधुमति भारतीय (धर्मपत्नी), नंदलाल दोसाया-श्रीमती गीता बाई (मामा-मामी), त्रिलोक राय-श्रीमती उमा राय, ओजस्वी दोसाया-अनामिका (अनुज दम्पत्ति), डॉ. भावेश-ईना, निशान्त-पारूल (पुत्र-पुत्रवधु), कुशाग्र-रेणुका (भतीजा दम्पत्ति), डॉ. हर्षिता राय (भतीजी) श्रीमती ममता-हरिओम सरथलिया (बहिन-बहिनोई),

ससुराल पक्ष : श्री रामपाल दूनीवाल (श्वसुर), जयपाल-श्रीमती हेमलता (सालाजी दम्पत्ति) एवं समस्त डिग्गीवाल, दोसाया व दूनीवाल परिवार

3/114, गणेश तालाब, कोटा (राज.)
मो.: 6583084143, 7607457183, 9950332723

BOOK PACKET CONTAINING PRINTED MATTER

प्रेषक :

श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका
संत नामदेव आई.टी.आई.,
महावीर नगर विस्तार योजना,
कोटा-324009 (राज.)
☎ : 0744-2472186, M.: 9413364741
(मुख्यालय : अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा)

श्रीमान्

_____

_____

_____ □□□□□□